DD

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 11, पृष्ठ: 08 infodivyadelhi@gmail.com

गुरूवार, 18 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

पीएम मोदी की मां को लेकर बने एआई वीडियो पर हाईकोर्ट सख्त

पटना

पटना उच्च न्यायालय से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पटना उच्च न्यायालय ने बुधवार को बिहार कांग्रेस की तरफ से पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां का एआई वीडियो शेयर किए जाने के मामले में कड़ी नाराजगी जताई है। उच्च न्यायालय ने कांग्रेस को प्रधानमंत्री मोदी की मां का एआई वीडियो सोशल मीडिया से तत्काल हटाने का आदेश दिया है। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां का एआई वीडियो जारी करने पर पटना उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश पीबी बजंतरी की अदालत ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री की मां पर बनाए गए एआई वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से तत्काल हटाने का आदेश दिया है। यह निर्देश एक सुनवाई के दौरान दिया गया।

नहीं बंद होगी लाड़की बहिन योजना : सीएम फडणवीस

मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट किया कि उनके नेतृत्व वाली सरकार अपनी लोकप्रिय स्कीम- 'मुख्यमंत्री

नारी शक्ति भारत के विकास की नींव: प्रधानमंत्री मोदी

आपके उत्तम स्वास्थ्य से ज्यादा मूल्यवान कोई सरकारी तिजोरी नहीं है : प्रधानमंत्री मोदी

धार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति को भारत के विकास की असली नींव बताते हुए देशभर की माताओं-बहनों से संकोच छोड़ कर स्वास्थ्य शिविरों में जाकर निःशुल्क जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपके उत्तम स्वास्थ्य से ज्यादा मूल्यवान कोई सरकारी तिजोरी नहीं है। प्रधानमंत्री बुधवार को मध्य प्रदेश के धार में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान और राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि मां स्वस्थ है तो पूरा परिवार स्वस्थ रहता है और यदि मां बीमार हो जाए तो घर की पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई पहलें केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि उन बच्चों और भावी नागरिकों के लिए भी हैं, जो अभी पैदा होने वाले हैं। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना कि बच्चे स्वस्थ पैदा हों, उनकी भविष्य की भलाई और समृद्धि की नींव रखता है। यह कार्य केवल एक पीढ़ी का नहीं बल्कि अनगिनत पीढ़ियों का आशीर्वाद है। मोदी ने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पहली संतान पर पांच हजार रुपये और दूसरी बेटी के जन्म पर छह हजार रुपये सीधे लाभार्थी माताओं के बैंक खातों में जमा किए जाते हैं। अब तक 4.5 करोड़ से अधिक गर्भवती माताओं को इस योजना का लाभ मिला है और लगभग 19 हजार करोड़ रुपये सीधे उनके खातों तक पहुंचाए गए हैं।

निःशुल्क जांच कराने की अपील की

प्रधानमंत्री ने देशभर की माताओं-बहनों से संकोच छोड़कर स्वास्थ्य शिविरों में जाकर निःशुल्क जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा, इन शिविरों में कितनी भी महंगी जांच क्यों न हो, सब मुफ्त होंगी। आपके उत्तम स्वास्थ्य से ज्यादा मूल्यवान कोई सरकारी तिजोरी नहीं है। आयुष्मान कार्ड आपके लिए सुरक्षा कवच है। लाखों कैंप लगने वाले हैं और मैं अपने भाइयों से भी आग्रह करता हूं कि वे अपनी माताओं, बहनों और बेटियों का स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं। विकसित भारत यात्रा के लिए भारत की नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीब और किसान चार प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने लखपति दीदी, बैंक सखी, ड्रोन दीदी, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और मुद्रा योजना जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये योजनाएं गरीबों, महिलाओं और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही हैं।

'भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है'

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इसमें हमारी नारी शक्ति सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर ध्यान देना, शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता–यही विकसित भारत की ठोस नींव है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की जयंती का स्मरण किया और उन्हें कौशल निर्माण का देवता बताते हुए नमन किया। उन्होंने महाराजा भोज की वीरता और मां वाग्देवी की कृपा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हमें राष्ट्र रक्षा और आत्मबल का संदेश देती है।

पीएम के जन्मदिन पर मनोहर लाल ने किया भलस्वा लैंडफिल का निरीक्षण

नई दिल्ली

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को यहां के भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा करके स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरूआत की। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म पर आयोजित राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान का हिस्सा है। मनोहर लाल ने साइट का निरीक्षण करते हुए कचरे के निपटान और प्रोसेसिंग योजनाओं की समीक्षा भी की।

मनोहर लाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि भलस्वा को कचरे के ढेर से मुक्त कर इसे एक मॉडल साइट के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान साइट पर मौजूद अधिकारियों और टीम के साथ चर्चा की, जिसमें कचरे के रूपांतरण और सौंदर्यीकरण की रणनीतियों पर विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर मनोहर लाल ने एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आज स्वच्छता ही सेवा की शुरूआत करते हुए भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया।

मराठवाड़ा-विदर्भ में फसलों का संकट

मुंबई

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने महाराष्ट्र सरकार से तुरंत राज्य में भीगा अकाल घोषित करने और प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की मदद देने की मांग की है। विजय वडेट्टीवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर कहा कि अगस्त और सितम्बर में हुई भारी बरसात से राज्य के 30 जिलों में लगभग 17.85 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा, 'किसानों को न तो कर्जमाफी मिली है और न ही उनकी फसलें बची हैं। वे गहरे संकट में हैं और उन्हें तुरंत राहत की आवश्यकता है।' कांग्रेस नेता ने बताया कि सबसे अधिक नुकसान मराठवाड़ा और विदर्भ के किसानों को हुआ है।

कुछ किसानों को जेल में बंद करो.: सुप्रीम कोर्ट

'कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को सबक मिलेगा और पराली जलाने की आदत पर लगाम लगेगी"

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में हर साल अक्टूबर-नवंबर में जहरीली हवा का कहर बरपता है। इसकी एक बड़ी वजह पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना है। आज सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को सबक मिलेगा और पराली जलाने की आदत पर लगाम लगेगी। कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मामले पर गहरी नाराजगी जताई। इस मामले की एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने बताया कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए सब्सिडी और मशीनें दी गई हैं, मगर किसान बहाने बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ किसान कहते हैं कि उन्हें ऐसी जगह पर पराली जलाने को कहा जाता है, जहां सैटेलाइट नजर नहीं रखता। अपराजिता ने कोर्ट से कहा, "2018 से सुप्रीम कोर्ट ने कई आदेश दिए, लेकिन किसान सिर्फ लाचारी दिखाते हैं।"

'कानून तोड़ने की छूट नहीं'

चीफ जस्टिस ने सवाल उठाया कि आखिर क्यों सरकार इस मामले में सख्त कानूनी कदम नहीं उठा रही। उन्होंने कहा, "अगर कुछ लोगों को जेल भेजा जाए तो सही संदेश जाएगा। पर्यावरण बचाने की सच्ची मंशा है तो सजा के प्रावधान क्यों नहीं बनाए जाते?" चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि किसान हमारे लिए खास हैं, क्योंकि वही हमें अन्न देते हैं।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे कानून तोड़ें।

पंजाब सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने कोर्ट को बताया कि पिछले कुछ सालों में पराली जलाने की घटनाएं कम हुई हैं।

जन औषधि केंद्र संचालकों में न्यूनतम दूरी नीति हटाने के फैसले से आक्रोश

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र संचालकों में सरकार के न्यूनतम दूरी नीति हटाने के फैसले से भारी आक्रोश है। संचालकों का कहना है कि पहले लागू 1-1.5 किमी की दूरी नीति से केंद्रों का संतुलित वितरण सुनिश्चित था, लेकिन अब एक ही क्षेत्र में कई केंद्र खुलने से पुराने केंद्रों का कारोबार 40-60 प्रतिशत तक घटने का खतरा है। इससे न केवल संचालकों की आजीविका संकट में है, बल्कि गरीब और मध्यमवर्गीय रोगियों को सस्ती दवाओं की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। दिल्ली जन औषधि एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि बिना परामर्श लिए यह निर्णय जन औषधि योजना के दीर्घकालिक लक्ष्य को कमजोर कर सकता है। नए केंद्रों के कारण राजस्व हानि, स्थायी खर्चों (किराया, बिजली, स्टाफ वेतन) को पूरा करने में दिक्कत और दवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता पर असर पड़ने की आशंका है। उपाध्यक्ष बृज मोहन अग्रवाल व पवन कुमार भारती ने कहा कि संचालकों ने मांग की है कि न्यूनतम दूरी नीति (कम से कम एक किमी) तुरंत बहाल की जाए और भविष्य में नीतिगत बदलावों से पहले उनसे परामर्श किया जाए। जनरल सेक्रेटरी सुरेश मित्तल ने कहा कि संचालकों ने अपनी मेहनत से इस परियोजना को शिखर तक पहुंचाया है ' सभी पदाधिकारी ये निवेदन करते हैं कि हमारे सम्मान की रक्षा की जाए और परिवार को संकट से बचाया जाए।

शांति वार्ता के लिए हथियार छोड़ने को तैयार

सुकमा

माओवादी संगठन ने शांति वार्ता के लिए अस्थायी रूप से हथियार छोड़ने का निर्णय लिया है।

यह कदम संगठन को पिछले एक महीने में हुए बड़े नुकसानों के कारण बढ़ते दबाव का परिणाम माना जा रहा है।

पार्टी के प्रवक्ता अभय द्वारा 15 अगस्त को जारी इस बयान में केंद्र सरकार से एक महीने का औपचारिक संघर्ष-विराम (सीजफायर) घोषित करने और तलाशी अभियानों को रोकने का अनुरोध किया गया है।

माओवादी सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार

विज्ञप्ति में यह भी उल्लेख किया गया है कि माओवादी सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, चाहे वह गृह मंत्री या उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधिमंडल के साथ हो।

तालकटोरा स्टेडियम से गुरुग्राम तक बनेगा भूमिगत मार्ग

एक घंटे का सफर सिर्फ 15 मिनट में तय किया जा सकेगा

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर के जाम को दूर करने के लिए 30-40 हजार करोड़ रुपये के बजट से दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम से हरियाणा के गुरुग्राम तक एक भूमिगत मार्ग (टनल रोड) बनेगा, जिससे एक घंटे का सफर सिर्फ 15 मिनट में तय किया जा सकेगा। इससे यात्रा में 45 मिनट की बचत होगी।

गडकरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर एक हिंदी समाचार पत्र में प्रकाशित लेख में कहा कि 26 मई 2014 को नरेन्द्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। तब से उनकी सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और निर्णय क्षमता के कारण वाहन उद्योग, राजमार्ग और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। सड़क परिवहन मंत्रालय 25 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और 3,000 किलोमीटर सड़क नेटवर्क का निर्माण कर रहा है, जो बंदरगाहों और धार्मिक पर्यटन केंद्रों को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक लागत तेजी से कम हो रही है। उनके मंत्रालय का लक्ष्य 2026 तक इसे 9 प्रतिशत तक लाना है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

लगभग 12 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो विकसित भारत की राह के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं।

सरधना के सलावा में साम्प्रदायिक तनाव, भारी पुलिस-बल तैनात

मेरठ

मेरठ जनपद के थाना सरधना क्षेत्र के गांव सलावा में मंगलवार देर रात मछली पकड़ने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दो समुदायों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। धारदार हथियारों से हुए हमले में राजपूत समाज के नौ लोग घायल हो गए। इनमें से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। तनाव को देखते हुए एसपी देहात राकेश मिश्रा और एसडीएम उदित नारायण सिंह मौके पर डटे हुए हैं। प्रशासन ने गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। घटना के बाद मुस्लिम पक्ष के घरों में सिर्फ महिलाएं और बच्चे रह गए हैं। पुलिस ने आठ आरोपितों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

कुछ लोग कहते थे भारत-पाक संघर्ष उन्होंने रुकवाया, अब पता चल गया ना: राजनाथ

हैदराबाद

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान में कहा कि किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। अब तो खुद पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत ने इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को अस्वीकार कर दिया था।

राजनाथ सिंह बोले- तीसरे पक्ष का कोई हस्तक्षेप नहीं

हैदराबाद में आयोजित 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि 'कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्वीकार नहीं किया।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। अगर भविष्य में कोई भी आतंकवादी हमला हुआ तो ऑपरेशन सिंदूर फिर से शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है और कोई तीसरा पक्ष हस्तक्षेप नहीं कर सकता।'

हिमाचल-उत्तराखंड में बारिश बनी आफत

देहरादून में 18 की मौत, दिल्ली एनसीआर में अगले 3 दिनों तक भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली

पिछले कई महीनों की मूसलाधार बारिश के बाद अब मानसून उत्तर भारत से विदा लेने लगा है। मानसून की वापसी शुरू हो चुकी है। हालांकि, कुछ राज्यों को अभी भी बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है। खासकर यूपी-बिहार में आज मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। पहाड़ी राज्यों में बादल फटने, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड्स से भारी तबाही मची हुई है। पहाड़ी राज्यों को भी बारिश से जल्द ही राहत मिल जाएगी। वहीं दिल्ली समेत मैदानी इलाकों में आज तेज बारिश होने की उम्मीद है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान में गिरावट भी दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों से मानसून ले चुका है। वहीं, देश के बाकी राज्यों में मानसून की वापसी जारी है। दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में अगले 3 दिन तक तेज बारिश की संभावना है।

हिमाचल-उत्तराखंड में मची तबाही

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश ने भारी तबाही मचा रखी है। उत्तराखंड में अब तक सामान्य से 22 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की 46 घटनाएं सामने आई, जिसके कारण 140 से अधिक भूस्खलन और 97 फ्लैश फ्लड्स की घटनाएं देखी गईं। हिमाचल और उत्तराखंड में रात भर बारिश होती रही। बारिश के तेज बहाव में 5 लोगों बह गए। वहीं, देहरादून में 18 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक लोगों के फंसे होने की संभावना है। दोनों राज्यों में आज भी बारिश का तांडव जारी

एनसीआर में भी बारिश के बाद तापमान कम होगा

दिल्ली एनसीआर में अगले 3 दिनों तक मौसम खुशनुमा रहने की संभावना है। दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे। 19 सितंबर को दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों ने तेज बरसात देखने को मिल सकती है। बारिश के बाद तापमान कम होगा, जिससे मौसम भी काफी हद तक ठंडा हो जाएगा।

यूपी-बिहार में कैसा रहेगा मौसम?

उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने तेज बारिश के साथ मेघगर्जन, वज्रपास और बिजली गिरने की संभावना जताई है। अगले 48 घंटों में लखनऊ समेत सूबे के 30 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश होगी। अयोध्या, गोंडा, बाराबंकी, अमेठी, रायबरेली और सुल्तानपुर समेत आसपास के जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान और सारण समेत कई जगहों पर बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पटना और गया जी छोड़कर आसपास के कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तराखंड में लगातार मूसलाधार बारिश से तबाही, राज्य भर में 15 लोगों की मौत, 16 लापता

देहरादून

देहरादून सहित प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार रात से बारिश का दौर जारी है। इससे कई स्थानों पर सामान्य जन जीवन प्रभावित हुआ है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार लगातार भारी बारिश के कारण राज्य में 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से देहरादून जिले में 13 लोगों की मौत हुई है और लापता 16 अन्य लोगों की तलाश जारी है। शासन और प्रशासन की ओर से राहत व बचाव अभियान युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और लगभग 900 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।मूसलाधार बारिश से देहरादून जिले के मालदेवता, सहस्त्रधारा, मजयाड़ा और कालीगाड़ में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। बारिश और भूस्खलन से सड़कों, पुलों, सरकारी और निजी परिसंपत्तियों को भारी क्षति हुई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से कालीगाड़ में फंसे 70 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून जिले के अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की गति तेज करने के निर्देश दिए। इस बीच, आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने 20 सितंबर तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का चेतावनी दी।

शिमला के रिज पर 13 अक्तूबर को होगा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण

शिमला

हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस के दिग्गज नेता स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण अब 13 अक्तूबर 2025 (सोमवार) को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर किया जाएगा। यह जानकारी वीरभद्र सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने दी है। उल्लेखनीय है कि वीरभद्र सिंह की प्रतिमा रिज पर दौलत सिंह पार्क में स्थापित की गई है। यह प्रतिमा हिमाचल निमार्ता डॉ. वाईएस परमार की प्रतिमा के बगल में है और ऊंचाई में उससे थोड़ी छोटी है। फिलहाल इसे ढक कर रखा गया है और अनावरण के बाद ही आम लोग इसे देख पाएंगे। प्रतिमा के नीचे सफेद ग्रेनाइट से बनी मजबूत नींव को अंतिम रूप दिया गया है। शुरूआत में इस प्रतिमा का अनावरण वीरभद्र सिंह के जन्मदिवस 23 जून को किया जाना था, लेकिन उस समय प्रदेश में आई भीषण बारिश, भूस्खलन और प्राकृतिक आपदा के चलते कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। उस कठिन समय में वीरभद्र सिंह फाउंडेशन ने राहत कार्यों में सहयोग करते हुए आपदा प्रभावित बच्चों की शिक्षा के लिए 11 लाख रुपये की राशि उपायुक्त मंडी को सौंपी थी।

अब यह आयोजन 13 अक्तूबर को तय किया गया है। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मुख्य अतिथि होंगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल और अन्य विशिष्ट नेता भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का भी स्वास्थ्य ठीक रहने पर आयोजन में आने का प्रस्ताव है। गौरतलब है कि राजधानी शिमला के रिज मैदान पर पहले से ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, हिमाचल निमार्ता व हिमाचल के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार और लेफ्टिनेंट जनरल दौलत सिंह की प्रतिमाएं स्थापित हैं। अब इस सूची में कांग्रेस के कदावर नेता और प्रदेश की राजनीति को दशकों तक दिशा देने वाले स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की प्रतिमा भी जुड़ने जा रही है।

पानीपत में सिख संगत में रोष: सिख जत्थों को पाक यात्रा पर रोक के फैसले की कड़ी निंदा

पानीपत

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पानीपत ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख जत्थों को पाकिस्तान जाने से रोकने के केंद्र सरकार के फैसले पर गहरी आपत्ति जताई है। कमेटी के प्रधान सरदार मोहनजीत सिंह ने बुधवार को नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय लाखों सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। पाकिस्तान के ननकाना साहिब में सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी की जन्म स्थली होने के कारण इस अवसर पर यात्रा सिख परंपरा का अभिन्न अंग है। सरदार मोहनजीत सिंह ने कहा कि यदि सुरक्षा चिंताओं

के कारण ऐसा कदम उठाना ही था, तो सिख नेताओं से परामर्श कर सहमति से निर्णय लेना चाहिए था। सरदार मोहनजीत सिंह ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए बताया कि 1947 के विभाजन के समय ननकाना साहिब, कर्तारपुर सहित अनेक पवित्र स्थल पाकिस्तान में चले गए और लाखों सिख श्रद्धालुओं की पहुँच उन तक लगभग असम्भव हो गई। सरहदें बन्द हो गईं, पुल टूट गए और दशकों तक लोग केवल दूर से ही अरदास कर सके। इसके बाद भी परिस्थितियों ने कई बार तीर्थयात्राओं को रोका गया। मोहन जीत सिंह ने बताया कि 1965 के युद्ध के बाद जसर जैसे पुलों के टूटने से सीमापार यात्रा लगभग बन्द हो गई।

जून 2019 में लगभग 150 श्रद्धालुओं को अटारी सीमा पर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर रोका गया। नवम्बर 2019 में खोला गया कर्तारपुर कॉरिडोर कोविड महामारी के कारण 20 माह तक बन्द रहा।

सीएम धामी ने स्वच्छ उत्सव कार्यक्रम का किया शुभारंभ, बोले-स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को स्वच्छ उत्सव-2025 कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया और सभी प्रदेशवासियों से स्वच्छता की मुहिम से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हमारे संस्कार और जीवनशैली का हिस्सा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा स्वच्छता से संबंधित नियमित कार्यक्रम किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री

मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं स्वच्छता की शपथ दिलाई और पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छता रथ का फ्लैग ऑफ किया और पर्यावरण मित्रों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता आंदोलन ने देश को नए आयाम प्रदान किए हैं। स्वच्छ उत्सव-2025 भी इसी दिशा में एक संकल्प, एक आंदोलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ व स्वच्छ भविष्य का वचन है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के सपने को साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा हाल ही में राष्ट्रीय वायु कार्यक्रम के तहत घोषित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में नगर निगम देहरादून को देश में 19 वां स्थान प्राप्त हुआ है।

सीएम सुक्खू ने की भारी बारिश से हुई तबाही की समीक्षा, राहत व पुनर्वास कार्य तेज करने के निर्देश

शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य में पिछले 48 घंटों के दौरान हुई भारी वर्षा से हुई तबाही की समीक्षा के लिए बुधवार को यहां बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने प्राकृतिक आपदा से हुई जान-माल की क्षति पर गहरी चिंता जताते हुए अधिकारियों को प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें से तीन लोग मंडी जिला के निहारी क्षेत्र और दो लोग सदर उपमंडल के पंडोह मोहाल सुमा क्षेत्र से संबंधित हैं। इसके अलावा, दो लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सितम्बर माह में सामान्य से 136 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। पूरे मॉनसून सीजन में अब तक 45 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान राज्य में 417 लोगों की मौत हो चुकी है, 45 लोग लापता हैं और बारिश, बादल फटने व भूस्खलन से 4,582 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। कुल 15,022 संरचनाओं को नुकसान पहुंचा है, जिनमें 1,502 घर पूरी तरह से ढह गए हैं। वहीं, 6,467 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, 6,316 गौशालाएं और 594 दुकानें भी प्रभावित हुई हैं। सीएम सुक्खू ने उपायुक्तों को सतर्क रहने, प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और राहत व पुनर्वास कार्यों की निगरानी करने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सेब उत्पादक क्षेत्रों में सड़क संपर्क तुरंत बहाल करने के निर्देश दिए ताकि बागवानों को नुकसान न उठाना पड़े। उन्होंने बिजली-पानी जैसी आवश्यक सेवाओं को भी प्राथमिकता के आधार पर बहाल करने को कहा। साथ ही, एचपीएमसी को सेब ढुलाई के लिए अतिरिक्त वाहन लगाने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विशेष राहत पैकेज के अंतर्गत बेघर हुए परिवारों को शहरी क्षेत्रों में 10 हजार रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 हजार रुपये मासिक किराया दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक ताने-बाने को देखते हुए किराया देने की शर्तों में ढील देने पर भी विचार किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ ले सकें।

कांग्रेस का केंद्र पर बड़ा आरोप, कहा- कर्नाटक को मांग के मुताबिक नहीं दी खाद

बंगलूरू

कांग्रेस ने कर्नाटक में उर्वरक की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक में इस साल मानसून समय से पहले आ गया है। वर्षा सामान्य से लगभग तीन प्रतिशत अधिक रही है।

इसके परिणामस्वरूप बुवाई का मौसम उम्मीद से पहले शुरू हो गया है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य ने 114.40 लाख हेक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा है, जिससे 160.68 लाख टन खाद्यान्न और तिलहन का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के लिए बुवाई का लक्ष्य 82.50 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से 81.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। सुरजेवाला ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की अनुमानित मांग 26.77 लाख मीट्रिक टन है। जबकि यूरिया उर्वरक की 3.36 लाख मीट्रिक टन की कमी है।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राज्यों को उसकी जरूरत के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की एकमात्र जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार ने तेलंगाना और बिहार में सड़क परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने तेलंगाना और बिहार में सड़क एवं पुल विकास से जुड़ी 2415.55 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की दो परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। तेलंगाना में 34 सड़क और पुल विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 422.36 किलोमीटर होगी। इन योजनाओं पर 868 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य राज्य की कनेक्टिविटी और परिवहन नेटवर्क को मजबूत बनाना है। केंद्र सरकार सड़क अवसंरचना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे तेलंगाना में समावेशी और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग-327 ई पर परससमा से अररिया तक 102.193 किलोमीटर लंबे मार्ग को पक्का शोल्डर सहित टू-लेन ब्राउनफील्ड अपग्रेडेशन कार्य के लिए 1547.55 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है।

रोहतक में नमो वन का उद्घाटन: नड्डा और सीएम सैनी ने 10 हजार पौधे रोपकर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

रोहतक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने हरियाणा के रोहतक में सेक्टर-2 में मियावाकी पद्धति से विकसित किए जा रहे नमो वन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली मौजूद रहे। नड्डा और सैनी ने रोहतकवासियों के साथ मिलकर नमो वन में करीब 10 हजार पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पौधरोपण कार्यक्रम में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।पौधरोपण करते हुए पर्यावरण

प्रेमियों से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सीधा संवाद किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ पर्यावरण में स्वस्थ जीवन की विचारधारा के साथ देश को विकसित भारत की ओर ले जाने में अग्रसर हैं, ऐसे में हम सभी का ये दायित्व बनता है कि उनकी इस साकारात्मक सोच को सार्थक करने में सभी अपनी भूमिका निभाएं।उन्होंने महिलाओं को प्रेरित किया कि वे घर की जिम्मेदारी जिस प्रकार पूरी लगन से निभा रही हैं ठीक उसी अनुरूप वे स्वयं तथा अपने परिजनों को भी पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनाने में आगे आएं और अधिक से अधिक पौधे रोपित करते हुए पर्यावरण प्रहरी बनें।हजारों की संख्या में नमो वन में पौधरोपण करने आई महिलाओं ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आश्वस्त किया कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में जो कदम बढ़ाए जा रहे हैं उसमें रोहतक की महिलाओं सहित उनके परिजनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री व मुख्यमंत्री ने नमो वन में पौधे रोपित करने के लिए पहुंचे लोगों का, विशेषकर महिलाओं व बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि संतुलित पर्यावरण बनाते हुए हम स्वस्थ जीवन की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। नमो वन के उद्घाटन के अवसर पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, नगर निगम के मेयर राम अवतार बाल्मीकि, सूचना, जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक के.मकरंद पांडुरंग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक पंकज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

केरल में सत्तारूढ़ उदट पर भड़के केंद्रीय मंत्री बोले- मेरे अंदर की आग बुझ नहीं सकती

त्रिशूर (केरल)

अभिनेता से नेता बने भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने केरल की सत्तारूढ़ पार्टी-सीपीआईएम पर अनजाने में हुई गलतियों को तूल देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उनके खिलाफ राजनीतिक लाभ उठाने की ताक में हैं। गोपी ने कहा, 'अनजाने में हुई गलतियों' को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। बता दें कि यह विवाद बीते 12 सितंबर को सामने आया था। गोपी ने अपने संसदीय क्षेत्र- त्रिशूर लोकसभा में रहने वाले एक बुजुर्ग-वेलायुधन की मदद करने से कथित तौर पर इनकार कर दिया था। खबरों के मुताबिक बुजुर्ग ने भाजपा सांसद से घर बनाने में सहायता मांगी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गोपी की आलोचना होने लगी। इसी बीच प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी-वेलायुधन के पास पहुंची और उसके लिए घर बनाने की पेशकश कर दी। बुधवार को इस संबंध में सवाल पूछे जाने पर गोपी ने कहा, उन्हें खुशी है कि वेलायुधन को घर मिल रहा है, लेकिन इस मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास हो रहा है।

सीपीएम को आड़े हाथों लेते हुए गोपी ने कहा, 'वे लोग चाहे जितना राजनीतिक अभियान चलाएं, लेकिन मेरे भीतर की आग कभी बुझाई नहीं जा सकती।'

शाह ने कहा कि दिल्ली के कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के लिए दिल्ली सरकार लगातार काम किया जा रहा है और धीरे-धीरे यह पहाड़ हटा रहे हैं

शाह ने 1600 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

कूड़े से बिजली बनाकर सरकार बिजली की जरूरत पूरा कर रही है

नई दिल्ली
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में सेवा पखवाड़ा के तहत दिल्ली के लिए 1600 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार के मंत्री और भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। अमित शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को घुसपैठिया बचाओ यात्रा बताया। शाह ने कहा कि राहुल गांधी को भारत के मतदाताओं पर भरोसा नहीं है और वह घुसपैठियों के भरोसे चुनाव जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का पूरा समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है। शाह ने कहा मोदी सरकार ने हर समय दिल्ली के कल्याण के लिए काम किया, लेकिन आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं को दिल्ली में लागू नहीं किया। दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लगातार कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत योजना लागू कर-के दिल्ली वालों को बड़ा उपहार दिया।

शाह ने कहा कि दिल्ली के कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के लिए दिल्ली सरकार लगातार काम किया जा रहा है और धीरे-धीरे यह पहाड़ हटा रहे हैं। कूड़े से बिजली बनाकर सरकार बिजली की जरूरत पूरा कर रही है और कूडे के पहाड़ को खत्म कर रही है। उन्होंने दिल्लीवालों से जीएसटी सुधारों के बाद दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी करने का आह्वान किया।

जीएसटी सुधारों के बाद दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी करने का आह्वान किया

आयुर्वेद दिवस पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की बाइक रैली

नई दिल्ली
आयुर्वेद दिवस 2025 के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईए आई ए) ने बुधवार को बाइक रैली का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय "जन-जन के लिए आयुर्वेद, धरती के लिए आयुर्वेद" था, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और पर्यावरणीय संतुलन में आयुर्वेद की भूमिका को रेखांकित किया गया।
रैली का शुभारंभ एआईए आई ए के निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पूर्व निदेशक (प्रभारी) प्रो. (डॉ.) मंजुषा राजगोपाल, विभिन्न विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी शोधार्थी तथा संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि "यह रैली आयुर्वेद के शाश्वत संदेश 'संतुलन' को दशार्ती है न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य के लिए भी।
ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम युवाओं और नागरिकों को आयुर्वेद को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।" प्रतिभागियों ने एआईए आईए से आयुष मंत्रालय तक बाइक रैली निकाली और हाथों में आयुर्वेद दिवस का लोगो तथा विषय दशार्ते हुए झंडे लेकर यात्रा की। यह रैली निवारक स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बनी। यह रैली आगामी 23 सितम्बर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के लिए एक प्रभावी भूमिका सिद्ध हुई।

सीवर में सफाई करने उतरे चार मजदूर बेहोश, एक की मौत

पिछले कई दिनों से सीवर की सफाई का काम चल रहा था

नई दिल्ली
उत्तर-पश्चिम जिले के अशोक विहार थाना क्षेत्र में सीवर सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मंगलवार देर रात करीब 11:36 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी मिली कि हरिहर अपार्टमेंट, अशोक विहार फेज-2 के पास सीवर में चार लोग गिर गए हैं। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची। चारों को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने कासगंज, उप्र निवासी अरविंद (40) को मृत घोषित कर दिया। वहीं सोनू, नारायण और नरेश को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया है।
इनमें सोनू और नारायण भी कासगंज के रहने वाले है, जबकि नरेश बिहार का निवासी है। तीनों बेहोशी की स्थिति में हैं। घटनास्थल पर पहुंची क्राइम टीम ने निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। वहीं, इस संबंध में पुलिस ने कार्यदायी संस्था ब्रजगोपाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर को पूछताछ के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार, इलाके में पिछले कई दिनों से सीवर की सफाई का काम चल रहा था। घटना के वक्त चारों लोग सीवर की सफाई करने उतरे थे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चाकू घोंपकर युवक की हत्या

नई दिल्ली
दक्षिण-पूर्वी जिले के गोविंदपुरी थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए पांच आरोपितों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपितों में चार नाबालिग और एक बालिग शामिल है। पकड़े गए आरोपित की पहचान तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी सुमित (22) के रूप में हुई है।
दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार 16 सितंबर की रात करीब 2:08 बजे पीसीआर कॉल के जरिये पुलिस को सूचना मिली कि तुगलकाबाद जंगल क्षेत्र, निर्मल टी-पॉइंट, संजय कॉलोनी के पास एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को एक शव मिला। जांच में मृतक की पहचान 22 वर्षीय प्रेम बर्मन के रूप हुई। वह तुगलकाबाद गांव का रहने वाले था और कॉल सेंटर में काम करता था।

मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली में सेवा पखवाड़ा का शुभांरभ, इंडिया गेट पर रक्तदान शिविर

दिल्ली की मुख्यमंत्री, मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने किया रक्तदान

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा का शुभांरभ करते हुए इंडिया गेट के कर्तव्य पथ पर रक्तदान शिविर में रक्तदान और सेवा संकल्प वॉक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन का उत्सव आज दिल्ली में सेवा और कर्तव्य के संदेश के साथ प्रारंभ हुआ है। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में दिल्ली सरकार के मंत्रियों, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान केवल जीवनदान नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का सर्वोच्च प्रतीक है। इस पुण्य कार्य में सहभागी होकर टीम दिल्ली ने एक बार फिर कर्तव्यबोध का सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली को हाई-वे, एक्सप्रेसवे, यूईआर और रोड कनेक्टिविटी, मेट्रो कनेक्टिविटी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, यशोभूमि और भारत मंडपम जैसे अनेक भव्य उपहार दिए हैं, जिससे दिल्ली की पहचान एक ग्लोबल सिटी के रूप में और भी सशक्त हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कर्तव्य पथ पर आयोजित रक्तदान शिविर से 10 प्रमुख ब्लड बैंक से जुड़े और करीब 200 डॉक्टर, नर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं। यह आयोजन राष्ट्र सेवा की भावना को और प्रखर बनाता है।
दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन एक सच्चे कर्मयोगी का जीवन है, जिन्होंने राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने कार्यों में ढालकर भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई है। यह आयोजन हम सभी के लिए प्रेरणा है कि हम भी सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण के पथ पर चलें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करें। साथ ही जन्मदिन के उपलक्ष्य में प्रारंभ हो रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर में सहभागिता की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान किसी को नई जिंदगी देने का सबसे पवित्र कार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अदम्य ऊर्जा, त्याग और सेवा-भावना को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए कहा कि उनकी जीवन यात्रा हमें समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा के लिए समर्पित होने की सीख देती है।

बीएमडब्ल्यू मामले में कार चालक की न्यायिक हिरासत 27 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली
पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली के धौला कुआं इलाके में हुए बीएमडब्ल्यू कांड में गिरफ्तार कार चालक महिला गगनप्रीत कौर की न्यायिक हिरासत को 27 सितंबर तक बढ़ा दी है। दरअसल, 14 सितंबर को धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास बीएमडब्ल्यू हादसा हुआ था। इसमें वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी 52 वर्षीय नवजोत सिंह की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी संदीप कौर गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। गगनप्रीत कौर पर आरोप है कि वो कार चला रही थीं। दिल्ली पुलिस ने गगनप्रीत कौर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, लापरवाही से गाड़ी चलाने और सबूत मिटाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की थी।इसके बाद दिल्ली पुलिस ने 15 सितंबर को गगनप्रीत कौर को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया था, जहां से उसे आज तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा था। गगनप्रीत की न्यायिक हिरासत की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जिसके बाद कोर्ट में पेश किया गया था।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार पर तीखा हमला बोला

सूर्यकुमार ने पाक खिलाड़ियों से हाथ न मिलाकर देश पर बड़ा एहसान किया

नई दिल्ली
आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर तीखा हमला बोला है। भारद्वाज ने सूर्यकुमार, इउउक और क्छउ को चुनौती दी कि क्रिकेट मैच के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स से कमाए गए पैसे को 26 महिलाओं को दे दें। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है, तो वह मान लेंगे कि यह मैच पहलगाम के शहीदों को समर्पित था। यह बयान भारत-पाकिस्तान मैच के बाद सूर्यकुमार के उस फैसले पर आया, जिसमें उन्होंने जीत को पहलगाम के शहीदों के नाम समर्पित किया और पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया।

सरकार चाहे तो दे दे भारत रत्न

भारद्वाज ने तंज कसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सूर्यकुमार ने पैदा होकर ही भारत पर बहुत बड़ा एहसान कर दिया। ये उनसे भी महान हैं, जिनके बेटों ने सरहद पर कुर्बानियां दी हैं।' उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बीजेपी उनकी महानता का ढोल पीट रही है और सरकार चाहे तो सूर्यकुमार को भारत रत्न दे दे। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाकर 140 करोड़ के देश पर बड़ा एहसान किया है। 15 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारद्वाज ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने भारी विरोध के बावजूद भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का आयोजन करवाया। दुबई के छोटे से स्टेडियम की सभी टिकटें बिक गईं, लेकिन टिकट खरीदने के बाद भारतीयों की "आत्मा जागी" और उन्होंने मैच देखने से इनकार कर दिया।

दिल्ली में मैच के प्रति उदासीनताः आप नेता

आप नेता ने कहा कि दिल्ली में इस मैच को लेकर जनता में कोई उत्साह नहीं दिखा। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार भारत-पाकिस्तान मैच के बाद कहीं पटाखे नहीं फोड़े गए। भारद्वाज ने कहा कि कई क्लबों और रेस्टोरेंट्स में आप कार्यकताओं ने अपील की कि मैच न दिखाया जाए और ज्यादातर जगहों पर उनकी बात मानी गई। उन्होंने इसे जनता का केंद्र सरकार को दिया गया "बड़ा संदेश" बताया।
बीजेपी पर स्क्रिप्टेड प्रचार का आरोप भारद्वाज ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मैच के बाद पार्टी ने यह स्क्रिप्ट बनाई कि सूर्यकुमार ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिलाया।

पहाड़ के समान है पहाड़गंज का ट्रैफिक जाम,

नई दिल्ली। अजमेरी गेट लालबत्ती से पहाड़गंज होते हुए करोल बाग और देव नगर तक सात किलोमीटर लंबे देश बंधु गुप्ता रोड पर जाम से लोग वर्षों से जूझ रहे हैं। यहां से गुजरने वाले लोगों से लेकर विशेषज्ञों तक को विकराल हो चुकी इस समस्या का अहसास है, मगर किसी को इस समस्या से सरोकार नहीं है तो वह सरकार है। पिछले 10 साल तक सत्ता में रही आम आदमी पार्टी की सरकार ने यहां के जाम को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया, अभी भी इस इलाके से आप के ही दोनों विधायक है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मौसम हुआ कूल-कूल, गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली दिल्ली-एनसीआर में कई दिनों गर्मी झेल रहे लोगों को आज (बुधवार) राहत मिली है। दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर अपडेट जारी किया था। बता दें कि बारिश होने से दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहावना हो गया है। पिछले कई दिनों से गर्मी ने लोगों को परेशान किया था। वहीं, मंगलवार को भी दिन भर आसमान साफ रहा। सुबह ही निकल गई तेज धूप दिन चढ़ने के साथ और तीखी होती गई। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सितंबर माह में अभी तक का सबसे ज्यादा है। सोमवार को यह 36.1 डिग्री रहा था। न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री कम 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का स्तर 89 से 48 प्रतिशत दर्ज किया गया।

पुलिस ने बरामद किए चोरी के 6000 मोबाइल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर से झपटे और चोरी के 6000 मोबाइल पुलिस ने बरामद किए हैं। ये मोबाइल इस साल 9 महीने के दौरान बरामद किए गए हैं। बताया गया कि इनमें 1500 मोबाइल के मालिकों की पहचान कर ली गई है। करीब 400 मोबाइल आज संबंधित मालिकों को उप राज्यपाल वीके सक्सेना पुलिस मुख्यालय में वितरित करेंगे। इसके लिए पुलिस मुख्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

सौरभ भारद्वाज ने सीएम से की प्रदेश में गौशाला बनाने की मांग

दिल्ली में गौशालाओं का निर्माण किया जाए और इन गायों को वहां स्थानांतरित करें

नई दिल्ली
आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश संयोजक और पूर्व स्वास्थ्य, शहरी विकास एवं जल संसाधन मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राजधानी में गौशालाएं बनवाने की मांग की। उन्होंने दिल्ली में गायों की दयनीय स्थिति पर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल कदम उठाने की अपील की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ प्रधानमंत्री का जन्मदिन मना रहे हैं, लेकिन दिल्ली की सड़कों पर गायें कूड़ा खाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सभी जगहों पर गायों को कूड़े के ढेर में भोजन तलाशते देखा जाता है, जो एक गंभीर समस्या का संकेत है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अपील की कि दिल्ली में गौशालाओं का निर्माण किया जाए और इन गायों को वहां स्थानांतरित किया जाए। पूर्व मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार करोड़ों रुपये के कार्यक्रम आयोजित कर रही है, लेकिन गायों के लिए चारे और आश्रय की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही।

दिल्ली के लाल का जंप रोप में धमाल, वर्ल्ड रिकॉर्ड कर चुके हैं अपने नाम

नई दिल्ली
भारत में खेलों की दुनिया में अक्सर क्रिकेट, फुटबाल या ओलिंपिक खेलों की चर्चा होती है, लेकिन दिल्ली के पितमपुरा के जोरावर सिंह ने एक अलग राह चुनकर पूरे देश का नाम रोशन किया है। वे न केवल एक अंतरराष्ट्रीय जंप रोप एथलीट हैं, बल्कि 18 बार गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर चुके हैं। उनकी यात्रा संघर्ष, अनुशासन, जज्बे और खेल के प्रति समर्पण की मिसाल है। उनका मानना है कि जंप रोप केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक कला है जो युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली, आत्मविश्वास और राष्ट्र गौरव का रास्ता दिखा सकती है। 5 फरवरी 2025 को इटली के मिलान में आयोजित गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड शो में जोरावर ने इतिहास रचा। उन्होंने 30 सेकंड में 21 डबल-अंडर फ्राग्स कर विश्व स्तर पर भारत का परचम लहराया।
इसके साथ ही उन्होंने अपने टीम के साथ शानदार ग्रुप परफार्मेंस देकर यह साबित किया कि जंप रोप में भी कला और कौशल का अनोखा संगम संभव है। इसके बाद जापान के कावासाकी में आयोजित वर्ल्ड जंप रोप चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने व्यक्तिगत और टीम इवेंट्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनका सपना है कि वे भारत को पुरुष वर्ग में पहली बार गोल्ड मेडल दिलाकर राष्ट्रगान विश्व मंच पर गवाएं।

जंप रोप में भी कला और कौशल का अनोखा संगम संभव है

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

दिल्ली के रहने वाले जोरावर सिंह पिछले 13 वर्षों से जंप रोप और फिटनेस को अपना जीवन समर्पित कर चुके हैं। दो बार साउथ एशियन चैंपियन, कई बार नेशनल चैंपियन, और विश्व चैंपियनशिप में चौथा स्थान प्राप्त कर चुके हैं। वे एमटीवी रोडीज, इंडियाज गाट टैलेंट, ओएमजी! ये मेरा इंडिया और हुनर पंजाब दा जैसे लोकप्रिय शो में भी नजर आ चुके हैं। उनकी यात्रा का आधार है अभ्यास। वे मानते हैं कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक तरीका है स्वयं को बेहतर बनाने का।

दिल्ली में आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई धीमी, जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाने के पहले आदेश को एक महीना बीत चुका है। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश में संशोधन किया। संशोधित आदेश जारी हुए लगभग 26 दिन हो गए हैं, लेकिन नगर निगम अभी तक नहीं जागा है। हालांकि, दिल्ली सरकार ने अब नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों के लिए भोजन केंद्र बनाने और खतरनाक कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया गया है। हालाँकि, नगर निगम ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। आश्रय स्थलों की स्थापना के लिए केवल दौरे किए गए हैं। जगह का चयन तो कर लिया गया है, लेकिन कोई काम शुरू नहीं हुआ है। भोजन केंद्र भी अधर में लटके हुए हैं। इस समस्या का समाधान निकालने के लिए एनसीआर नगर निगमों के साथ एक बैठक का वादा भी किया गया था, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। नगर निगम के अधिकारियों का मानना है कि इसका मुख्य कारण यह है कि निगम के पास सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू करने के लिए संसाधनों की कमी है। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि निगम के पास वर्तमान में 20 नसबंदी केंद्र हैं। नसबंदी तो हो रही है, लेकिन कुत्तों को रखने की कोई व्यवस्था नहीं है।

संपादकीय

जातीय खाई में डूबता लोकतंत्र

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहाँ 90 करोड़ से अधिक मतदाता हर पाँच वर्ष में अपना प्रतिनिधि चुनते हैं और सरकारों को सत्ता सौंपते हैं। लेकिन दुख की बात है कि जैसे-जैसे भारतीय लोकतंत्र परिपक्व होना चाहिए था, वैसे-वैसे यह जाति, धर्म और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के दलदल में और गहराई तक धँसता जा रहा है। आज स्थिति यह है कि राजनीतिक दलों के पास विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि संकट या रोजगार जैसे असली मुद्दों पर जनता के सामने कुछ ठोस कहने को नहीं है। इसके बजाय वे समाज को हिंदूझमुस्लिम, अगड़ाझपिछड़ा, दलितझसवर्ण जैसे खानों में बाँटकर चुनावी अंकगणित साधने में लगे हैं।

हिंदू-मुस्लिम राजनीति से जातीय खाई तक

आजादी के बाद से ही भारतीय राजनीति में सांप्रदायिक कार्ड समय-समय पर खेला गया। कभी मंदिरझमस्जिद विवाद, कभी दंगे, कभी ह्यमुस्लिम तुष्टिकरणह्ल और कभी ह्यहिंदू एकजुटताह्ल की बात करके पार्टियों ने सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ीं। लेकिन आज एक और खतरनाक प्रवृत्ति सामने आ रही है–जातीय ध्रुवीकरण।

बिहार चुनाव इसका ताजा उदाहरण है। चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दल इस कोशिश में जुट जाते हैं कि कैसे दलित, पिछड़े और उच्च वर्ग को अलग-अलग खेमों में बाँटकर अपने-अपने लिए वोट बैंक तैयार किया जाए। कोई अपने को ह्यपिछड़ों का मसीहाह्ल कहता है, तो कोई ह्यदलितों का रक्षकह्ल। वहीं कुछ पार्टियाँ उच्च जातियों के हितों की बात करके सामाजिक संतुलन बिगाड़ने का प्रयास करती हैं।

जब तक जनता ऐसे मुद्दों पर नेताओं से सवाल नहीं पूछेगी, तब तक यह राजनीति जारी रहेगी। जनता को यह तय करना होगा कि उनका वोट जाति और धर्म के नाम पर मिलेगा या विकास और नीतियों के आधार पर। लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी शक्ति है, लेकिन जब जनता ही जाति-धर्म के चक्रव्यूह में फँस जाती है, तो राजनीतिक दलों को असली जवाबदेही से छूट मिल जाती है।

बिहार की राजनीति हमेशा से जातीय समीकरणों पर टिकी रही है। मंडल राजनीति के बाद से यह राज्य जातीय आधार पर ही नेताओं और दलों का गढ़ बन गया। 2025 का चुनाव भी इससे अछूता नहीं दिखता।

राष्ट्रीय जनता दल (RJD)

तेजस्वी यादव के नेतृत्व में फखऊ अभी भी यादवझमुस्लिम (ट) समीकरण पर सबसे ज्यादा भरोसा करती है। पार्टी खुद को ह्यपिछड़ों और वंचितों की आवाजह्ल बताती है। हाल के दिनों में तेजस्वी ने युवाओं और रोजगार का मुद्दा उठाकर अपनी अपील बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन चुनाव आते-आते पार्टी फिर से जातीय पहचान की ओर लौट आती है।

जनता दल यूनाइटेड (JDY)

नीतीश कुमार एक समय ह्यसुशासन बाबूह्ल के नाम से पहचाने जाते थे और उन्होंने जातीय राजनीति से ऊपर उठकर काम करने की कोशिश की थी। लेकिन लंबे समय से सत्ता में रहते-रहते उनकी राजनीति भी फिर से जातीय समीकरण पर टिक गई है। कुर्मीझकोइरी और अतिपिछड़ा वर्ग उनका मुख्य वोट बैंक है। इस चुनाव में वे फिर उसी आधार पर अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (BJP)

बीजेपी का फोकस इस बार सवर्ण और अति पिछड़ा वर्ग (एइउ) को साथ लेकर चलने पर है। पार्टी हिंदू एकजुटता के एजेंडे के साथ-साथ जातीय बिखराव का भी फायदा उठाना चाहती है। पार्टी का चुनावी नैरेटिव अक्सर राष्ट्रीय मुद्दों (राम मंदिर, राष्ट्रीय सुरक्षा, मोदी नेतृत्व) पर होता है, लेकिन बिहार में वह ब्राह्मण, भूमिहार और बनिया वोट को साथ रखने के लिए लगातार प्रयास करती है।

कांग्रेस और वाम दल

कांग्रेस राज्य में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश कर रही है। वह दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को टारगेट करती है, लेकिन संगठनात्मक कमजोरी उसकी सबसे बड़ी चुनौती है।

वाम दल (CPI, CPI-ML, CPI-M) किसानों और मजदूरों के मुद्दों पर सक्रिय रहते हैं और सीमित इलाकों में उनका असर भी है। जातीय समीकरणों से परे उनका वोट बैंक वर्ग आधारित राजनीति पर टिकता है।

जातीय समीकरण का खेल

- यादव वोट RJD के साथ परंपरागत रूप से जुड़े हैं।
- कुर्मी-कोइरी JDU का आधार हैं।
- सवर्ण वोट बीजेपी की रीढ़ हैं।
- दलित वोट विभाजित हैं–पासवान (LJP), माँझी (HAM), और अन्य दल अपने-अपने हिस्से के लिए संघर्ष कर रहे हैं।
- मुस्लिम वोट पारंपरिक रूप से RJD-कांग्रेस के पास रहते हैं, लेकिन कुछ हिस्सों में असंतोष भी दिखाई देता है।

मुस्लिम समाज ने की वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना

● देशभर के मुसलमानों की बात कि जाये तो वाराणसी, दिल्ली, हैदराबाद और कई अन्य नगरों से भी मुस्लिम नेताओं की प्रतिक्रियाएँ लगातार आयीं। कई स्थानों पर धर्मगुरुओं ने बयान जारी कर कहा कि वक्फ की व्यवस्था केवल धर्म नहीं बल्कि समाज सेवा का भी माध्यम है।

संजय सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट द्वारा आज वक्फ अधिनियम से जुड़े मामले में पारित किये गये अंतरिम आदेश पर मुस्लिम समाज के विभिन्न नेताओं, धर्मगुरूओं और विद्वानों की प्रतिक्रियाएँ सामने आयी हैं। यह आदेश पूरे देश में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि वक्फ सम्पत्ति का सम्बन्ध सीधे धार्मिक, सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों से है। अदालत में लम्बे समय से यह विवाद विचाराधीन था और आज दिये गये इस अन्तरिम निर्णय को एक ओर कुछ लोग संतोषजनक बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अनेक धर्मगुरु उसे चिंताजनक मान रहे हैं। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, जो राजधानी लखनऊ के प्रमुख मुस्लिम धर्मगुरुओं और विद्वानों में गिने जाते हैं, ने अदालत के निर्णय पर अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आज का आदेश मुस्लिम समाज की धार्मिक और शैक्षिक संस्थाओं के भविष्य से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनका कहना था कि वक्फ सम्पत्ति हमेशा से समाज की बेहतरी, निर्धनों की सहायता और मजहबी गतिविधियों के लिये सुरक्षित की जाती रही है। यदि इस सम्पत्ति से छेड़छाड़ या इसके प्रबन्धन पर कोई आघात होता है तो सीधा असर समाज की बुनियादी ढाँचे पर पड़ेगा। मौलाना ने यह भी कहा कि सर्वोच्च अदालत ने अभी केवल अन्तरिम आदेश पारित किया है और आगे सुनवाई जारी रहेगी। उन्होंने अपील की कि इस मुद्दे को किसी भी प्रकार के साम्प्रदायिक दृष्टिकोण से न देखा जाये। उनके अनुसार, यह मामला केवल मुस्लिम समाज का नहीं बल्कि पूरे देश के संवैधानिक ढाँचे और धार्मिक अधिकारों के संरक्षण से जुड़ा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अन्तिम निर्णय में अदालत समाज की ऐतिहासिक परम्परा, धार्मिक आजादी और न्याय की भावना को ध्यान में रखेगी।

देशभर के मुसलमानों की बात कि जाये तो वाराणसी, दिल्ली, हैदराबाद और कई अन्य नगरों से भी मुस्लिम नेताओं की प्रतिक्रियाएँ लगातार आयीं। कई स्थानों पर

धर्मगुरुओं ने बयान जारी कर कहा कि वक्फ की व्यवस्था केवल धर्म नहीं बल्कि समाज सेवा का भी माध्यम है। मुस्लिम शिक्षण संस्थानों, मदरसों और अस्पतालों की बड़ी संख्या वक्फ की आमदनी पर निर्भर करती है। ऐसे में यदि वक्फ पर शंका की दृष्टि डाली जाती है तो यह न केवल मजहबी सरोकार का विषय है बल्कि समाज में चल रहे कल्याणकारी कार्य भी बाधित होंगे। दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम ने भी बयान दिया कि अदालत जिस स्तर पर इस विषय का परीक्षण कर रही है, वह स्वागत योग्य है। लेकिन उन्होंने यह आशंका भी व्यक्त की कि कहीं यह मामला समाज के भीतर अविश्वास और गलतफहमी का कारण न बन जाये। उन्होंने कहा कि वक्फ की सम्पत्तियाँ हमेशा समाज की नयी पीढ़ी की शिक्षा और अनाथों, विधवाओं तथा गरीबों की सहायता के लिये उपयोग की जाती रही हैं। उन्हें संरक्षित करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। वाराणसी और अलीगढ़ के कई मौलानाओं ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस आदेश के बाद समाज के लोग चिन्तित हैं। उनका कहना था कि वक्फ अधिनियम को लेकर यदि कोई प्रश्न उठे भी तो उसका समाधान केवल न्यायपूर्ण और पारदर्शी सुनवाई के माध्यम से ही सम्भव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुसलमान अपने धार्मिक न्यासों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहे हैं और उन्हें बिना किसी दोष सिद्ध हुए कटघरे में खड़ा करना न्यायोचित नहीं होगा।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के प्रमुख धर्मगुरुओं ने मौलाना खालिद रशीद के विचारों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को धैर्य और संयम से काम लेना चाहिये। अदालत के अन्तिम निर्णय का सबको सम्मान करना होगा, लेकिन समाज के भीतर जागरूकता फैलाना आज सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि लोग स्वयं वक्फ सम्पत्ति के महत्त्व और उसके सदुपयोग से परिचित होंगे तो किसी भी प्रकार की भ्रान्ति अपने आप दूर हो सकती है। अदालत के इस अन्तरिम आदेश ने एक नये सवाल को जन्म दिया है द वक्फ की सम्पत्ति की देखरेख और लेखाजोखा किस प्रकार पारदर्शी रूप से सुनिश्चित किया जाये। अनेक धर्मगुरुओं ने स्वीकार किया कि वक्फ की जमीनों और इमारतों पर अक्सर अवैध कब्जे की शिकायतें आती रहती हैं। ऐसे में अदालत का ध्यान इस ओर जाना स्वाभाविक है। परन्तु समाज के नेताओं ने यह भी स्पष्ट कहा कि इसका हल सम्पूर्ण वक्फ व्यवस्था को ही प्रश्न चिह्नित करना नहीं होना चाहिये। मौलानाओं ने सुझाव दिया कि वक्फ बोर्ड को अपने भीतर सुधार करने होंगे। आधुनिक तकनीक से सम्पत्तियों का अभिलेख तैयार किया जाये, नियमित लेखापरीक्षण हो और समाज को जानकारी उपलब्ध करायी जाये। इससे एक ओर तो अदालत की चिन्ता भी दूर होगी और दूसरी ओर समाज का विश्वास भी और मजबूत होगा।

ग्रामीण इलाकों और छोटे नगरों में भी मुस्लिम समाज के बीच आज का आदेश प्रमुख चर्चा का विषय बना। लोग यह जानने के इच्छुक हैं कि अन्ततः अदालत किस निष्कर्ष पर पहुँचेगी। बहुत से लोगों ने इस आशंका को व्यक्त किया कि कहीं यह आदेश मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों पर अंकुश का संकेत न दे। वहीं शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बताया कि उनका पूरा ढाँचा वक्फ की सहायता पर टिका है और यदि इसमें कोई व्यवधान आता है तो समाज की नयी पीढ़ी पर सीधा असर पड़ेगा।

अन्तरिम आदेश के बाद अब सबकी निगाहें आगामी सुनवाई पर टिकी हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि मामला गंभीर है और सभी पक्षों के तर्क सुने जायेंगे। मुस्लिम नेताओं और धर्मगुरुओं का मानना है कि इस बीच समाज को चिंता में डूबने के बजाय संगठित होकर अपने दृष्टिकोण को शांतिपूर्वक और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करना चाहिये। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि हर समाज को संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का पूरा अधिकार है। वक्फ सम्पत्ति उसी स्वतंत्रता का अटूट हिस्सा है। यदि समाज एकजुट होकर उसके महत्व को रेखांकित करेगा, तो निश्चय ही अदालत भी उस पहलू को गंभीरता से लेगी। उन्होंने अंत में जनता से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें और इस विषय में केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट के इस अन्तरिम आदेश ने मुस्लिम समाज के बीच गहरी चर्चा को जन्म दिया है। समाज के नेता और धर्मगुरु एक ओर अदालत की प्रक्रिया का सम्मान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अपनी आशंकाएँ भी स्पष्ट रूप से व्यक्त कर रहे हैं। आने वाले दिनों में यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि सुनवाई किस दिशा में जाती है और वक्फ अधिनियम का भविष्य किस रूप में आकार लेता है।

दो राज्यों में एक जैसा ऑपरेशन देश के दुश्मनों के खिलाफ

विवेक शुक्ला

जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ के बीच दूरी तो बहुत है। पर इन दोनों राज्यों में बीते कुछ महीनों के दौरान एक मकसद से देश के दुश्मनों के खिलाफ सघन अभियान चले। इनका लक्ष्य था आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी कुष्ठ रोगों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करना। इन ऑपरेशनों ने साफ संदेश दिया कि देश सीमापार के आतंकवादियों और आंतरिक विद्रोहियों को धूल चटाने के लिए एकजुट है।

ऑपरेशन महादेव जम्मू-कश्मीर की धरती पर एक मील का पत्थर साबित हुआ, जो आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का जीवंत प्रमाण है। जुलाई 2025 में शुरू हुआ यह अभियान, विशेष रूप से पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड्स को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया था। पहलगाम हमला, जिसमें निर्दोष पर्यटकों और नागरिकों को निशाना बनाया गया था, ने पूरे देश को झकझोर दिया था। लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों–भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस–के संयुक्त प्रयासों ने मात्र 14 दिनों में तीन शीर्ष पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें हाशिम मूसा सुलेमान शाह जैसे प्रमुख नाम शामिल थे, जो पाकिस्तान से घुसपैठ कर भारत की शांति भंग करने का प्रयास कर रहे थे। अभियान की सफलता का राज था सटीक खुफिया जानकारी और तकनीकी सिग्नल ट्रैकिंग, जो पहलगाम हमले के दौरान इस्तेमाल हुए सिग्नल से मेल खा रही थी। आतंकवादियों के पास पाकिस्तानी पहचान पत्र, बायोमेट्रिक्स और यहां तक कि चॉकलेट्स जैसे सामान बरामद हुए, जो उनकी विदेशी साजिश को उजागर करते हैं।

इस ऑपरेशन ने देश-विरोधी ताकतों की कमर तोड़ दी क्योंकि यह केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक झटका था। लश्कर जैसे संगठन, जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के प्रतीक हैं, अब भारत की सीमाओं के पास सांस लेने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। पहले जहां ये तत्व घुसपैठ कर निदोर्षों का खून बहाते थे, अब वे छिपने के लिए मजबूर हैं।

ऑपरेशन महादेव ने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की सुरक्षा एजेंसियां किसी भी साजिश को कुचलने में सक्षम हैं। नतीजतन, जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी आई है, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में विश्वास बहाल हुआ है। यह सफलता न केवल स्थानीय आबादी को सुरक्षा का आश्वासन देती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की मजबूत इच्छाशक्ति को प्रदर्शित करती है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ह्यसिंदूर स्ट्राइकह्ल का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह आतंक के आकाओं को चेतावनी है कि भारतीय नागरिकों की जान से खेलने का अंजाम विनाशकारी होगा।अब बात करते हैं ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की, जो नक्सलवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। मई 2025 में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर शुरू हुआ यह 24-दिवसीय अभियान, करेगुट्टालु पहाड़ियों जैसे नक्सली किलों को लक्ष्य बनाया गया। नक्सलवाद, जो दशकों से आदिवासी क्षेत्रों में विकास को बाधित कर रहा था, अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। सुरक्षा बलों ने 31 कुख्यात माओवादियों को मार गिराया, जिनमें टॉप लीडर बसवराजू जैसे नाम शामिल थे, जिन पर कुल 1.72 करोड़ रुपये का इनाम था। इसके अलावा, 214 नक्सली ठिकाने और बंकर ध्वस्त किए गए, 450 आईईडी, 818 बीजीएल शेल और 899 कोडेक्स बंडल जब्त किए गए। यह ऑपरेशन न केवल सैन्य दृष्टि से सफल रहा, बल्कि यह नक्सलवाद के ह्ययूनिफाइड कमांडह्ल को तोड़ने में भी कारगर साबित हुआ।

देश-विरोधी ताकतों को धूल चटाने का यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नक्सली लंबे समय से ह्यरेड टेररह्ल फैला रहे थे। वे विकास परियोजनाओं को नष्ट करते, निर्दोष ग्रामीणों को निशाना बनाते और सरकार को कमजोर दिखाने का प्रयास करते। लेकिन ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट ने इन तत्वों की कमर तोड़ दी। 27 से अधिक विद्रोहियों की मौत, जिसमें शीर्ष कमांडर शामिल थे, ने नक्सल नेटवर्क को विखंडित कर दिया। अब करेगुट्टालु पहाड़ियों पर तिरंगा लहरा रहा है, जो माओवादी किले से शांति का प्रतीक बन गया है। सीआरपीएफ महानिदेशक ने इसे ह्लनक्सलवाद के अंत की शुरूआतह्ल बताया, जो सही मायने में सत्य है। इन परिणामों से न केवल आंतरिक सुरक्षा मजबूत हुई, बल्कि आदिवासी समुदायों में विकास का द्वार खुला है। स्कूल, अस्पताल और सड़कें अब बिना डर के बन सकेंगी, जो नक्सलियों की सबसे बड़ी हार है।

बेशक, इन दोनों अभियानों की सफलता का श्रेय निस्संदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व और सुरक्षा बलों के बहादुर जवानों को जाता है।

प्रदूषण के खतरे से बचने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान देना जरुरी

अशोक भाटिया

प्रदूषण से लड़ने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (एइ२) पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि वे संचालन के दौरान शून्य टेलपाइप उत्सर्जन करते हैं, जिससे वायु प्रदूषण और कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। इससे लोगों का स्वास्थ्य भी सुधरता है और ध्वनि प्रदूषण घटता है। हालांकि, एइ२ के निर्माण और ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में उत्सर्जन होता है, इसलिए हरित ऊर्जा स्रोतों का उपयोग और उत्पादन प्रक्रियाओं को टिकाऊ बनाना महत्वपूर्ण है।

इलेक्ट्रिक वाहनों का एक प्रमुख लाभ यह है कि वे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को काफी कम कर देते हैं। पेट्रोल और डीजल कारों के विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहन शून्य टेलपाइप उत्सर्जन करते हैं, यानी वे वायुमंडल में कोई उड2 नहीं छोड़ते। इससे वायु की गुणवत्ता में काफी सुधार होता है; और सभी के लिए सड़कें साफ रहती हैं। इसे समझने के लिए, पारंपरिक पेट्रोल कारें प्रति किलोमीटर लगभग 165 ग्राम उड2 उत्सर्जित करती हैं, और डीजल कारें प्रति किलोमीटर लगभग 170 ग्राम उड2 उत्सर्जित करती हैं। इसके विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहन औसतन केवल 50 ग्राम उड2 प्रति किलोमीटर उत्सर्जित करते हैं, जिसमें उत्पादित बिजली भी शामिल है। इसलिए, एक वर्ष में, केवल एक इलेक्ट्रिक वाहन औसतन 15 लाख ग्राम उड2 बचा सकता है । यह लंदन से बार्सिलोना की चार वापसी उड़ानों के बराबर है। उड2 उत्सर्जन में यह कमी पेट्रोल और डीजल कारों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों के व्यापक पर्यावरणीय लाभ को उजागर करती है।

पेट्रोल और डीजल कारों के विपरीत, जहाँ इंजन और एग्जॉस्ट से शोर उत्पन्न होता है, इलेक्ट्रिक वाहन लगभग शांत होते हैं, खासकर कम गति पर। इसके परिणामस्वरूप सड़कें शांत रहती हैं, जिससे शहरी क्षेत्र लोगों और वन्यजीवों, दोनों के लिए अधिक शांतिपूर्ण और सुखद बन सकते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल कारों की तुलना में ज्यादा ऊर्जा कुशल होते हैं क्योंकि ये कार की बैटरी से ज्यादा ऊर्जा को गति में परिवर्तित करते हैं। जहाँ पेट्रोल कारें गर्मी, घर्षण और अन्य अक्षमताओं के कारण अपनी लगभग 75-84% ऊर्जा बर्बाद करती हैं, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन केवल 31-35% ऊर्जा ही बर्बाद करते हैं। इसलिए, इलेक्ट्रिक वाहन कम ऊर्जा हानि के जरिए कुल ऊर्जा की माँग को कम करने में मदद करते हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहनों को पर्यावरण के लिए एक बेहतर और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बनाता है।

देखा जाय तो ईवी बैटरियों का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण एक लगातार बढ़ता हुआ बाजार है । सेकेंड हैंड बैटरियों के उपयोग पर अनुसंधान, बिजली भंडारण जैसी नई तकनीकों में बैटरियों के पुनः उपयोग के तरीकों की तलाश कर रहा है। यह राष्ट्रीय ग्रिड को संतुलित करने और नवीकरणीय ऊर्जा को संग्रहीत करने में मदद कर सकता है, जिससे ईवी बैटरी उत्पादन का पर्यावरणीय प्रभाव कम हो सकता है। अध्ययन बताते हैं कि ऊर्जा भंडारण के लिए 50% एंड-लाइफ वाहन बैटरियों का पुनः उपयोग करने से 2030 में 96 ॠहँ, 2040 में 3,000 ॠहँ और 2050 तक 12,000 ॠहँ की क्षमता मिल सकती है। इस संग्रहीत ऊर्जा का उपयोग पीक डिमांड के समय किया जा सकता है जब बिजली की कीमतें अधिक होती हैं, जिससे आपकी ऊर्जा लागत कम होती है। इसके अलावा, ऊर्जा भंडारण में वृद्धि के कारण, नवीकरणीय ऊर्जा अधिक विश्वसनीय हो सकती है । अंततः, घरों को ऊर्जा प्रदान करने वाली उन्नत वाहन-से-घर (श२ल) तकनीकों के साथ , एक दिन हम सभी के पास अपनी ऊर्जा भंडारण इकाइयाँ हो सकती हैं। इससे न केवल अतिरिक्त बिजली मिलती है और ऊर्जा लागत कम होती है, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों के पुनः उपयोग का एक और अवसर भी मिलता है।

घरेलू ऊर्जा भंडारण के लिए बैटरियों का पुनः उपयोग उनके जीवनकाल को बढ़ाता है, अपशिष्ट को कम करता है, और विनिर्माण के पर्यावरणीय बोझ को कम करता है। यह चक्रीय दृष्टिकोण बैटरी के अधिक टिकाऊ जीवनकाल को बढ़ावा देता है, और उत्पादन से होने वाले वर्तमान पर्यावरणीय नुकसान का प्रतिकार करता है।

कुल मिलाकर, लिथियम-आयन बैटरी निर्माण पर विचार करने के बाद भी, इलेक्ट्रिक वाहन अभी भी एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं।

अवैध प्रवासन @ ग्लोबल एजेंडा

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय राजनीति, सामाजिक स्थिरता और जनस-ांख्यिकी (डेमोग्राफी) पर सबसे बड़ा असर डालने वाला मुद्दा अवैध प्रवासन बन चुका है। एक ओर जहां मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि हर व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए, वहीं दूसरी ओर विभिन्न देशों की सरकारें और नागरिक यह तर्क दे रहे हैं कि अनियंत्रित प्रवास उनके संसाधनों, रोजगार, संस्कृति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहमानता हूं कि यही कारण है कि अमेरिका से लेकर यूरोप और भारत तक,हर जगह यह बहस तेज है कि अवैधप्रवासियों को रोका जाए, उन्हें निर्वासित किया जाए या फिर किसी सीमा तक उन्हें बसने की अनुमति दी जाए।यूरोप और अमेरिका दोनों में एक धारणा तेजी से फैल रही है- ह्यग्रेट रिप्लेसमेंट थ्योरी।ह्वइस थ्योरी के मुताबिक, बड़ी संख्या में आने वाले प्रवासी धीरे-धीरे वहां की मूल आबादी को संख्या, संस्कृति और राजनीतिक शक्ति में पीछे छोड़ देंगे।फ्रांस में यह चिंता खास है कि मुस्लिम प्रवासी भविष्य में ईसाई आबादी से अधिक हो सकते हैं।जर्मनी और स्वीडन में विदेशी मूल के बच्चे स्थानीय बच्चों से अधिक जन्म ले रहे हैं।ब्रिटेन में लंदन और बर्मिंघम जैसे शहरों में मुस्लिम और एशियाई आबादी का

प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है।यह बदलाव न केवल सांस्कृतिक टकराव बल्कि राजनीतिक अस्थिरता भी ला सकता है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 13 सितंबर 2025 को,लंदन 1 लाख से अधिक लोगों के विशाल प्रदर्शन का गवाह बना। इसे ब्रिटेन के इतिहास की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली कहा जा रहा हैप्रदर्शनकारियों का तर्क है कि ब्रिटेन की पारंपरिक संस्कृति और रोजगार के अवसर प्रवासियों के कारण खतरे में हैं। इस आंदोलन को और भी बड़ा तब मिला जब टेस्ला और एक्स (पूर्व ट्विटर) के मालिक एलन मस्क ने ऑनलाइन आकर इस रैली को समर्थन दिया और दक्षिणपंथी नेता टॉमी रॉबिन्सन का पक्ष लिया।मस्क का यह कदम इंग्लैंड ही नहीं बल्कि पूरे यूरोप में इस मुद्दे को वैश्विक स्तरकी वैधता देता है। इससे साफ हो गया है कि अवैध प्रवासन अब केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़ चुका है। भारतीय पीएम ने भी 14 सितंबर 2025 को असम में एक सभा में संबोधन के दौरान कहा,सरकार, घुसपैठियों को देश के साधनों- संसाधनों पर कब्जा नहीं करने देगी।भारत के किसानों, नौजवानों ,हमारे आदिवासियों का हक हम किसी को नहीं छीनने देंगे। ये घुसपैठिए हमारी माताओं-बहनों- बेटियों के साथअत्याचार करते हैं, ये नहीं होने दिया जाएगा, घुसपैठियों के माध्यम से बॉर्डर के इलाकों में डेमोग्राफी बदलने की साजिशें चल रही हैं, ये राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, इसलिए,अब देश में एक डेमोग्राफी मिशन शुरू किया जा रहा है।सरकार का लक्ष्य है,घुसपैठियों से देश को बचाएंगे घुसपैठियों से देश को मुक्ति दिलाएंगे।और मैं उन राजनेताओं को भी कहना चाहता हूं, आप जो चुनौती लेकर के मैदान में आए तो,मैं सीना तान करके उसचुनौती को स्वीकार करता हूं।और लिख लो मैं देखता हूं, घुसपैठियों को बचाने में तुम कितनी ताकत लगाते हो और घुसपैठियों को हटाने में हम कैसे अपना जीवन लगा देते हैं, हो जाए मुकाबला। घुसपैठियों को बचाने के लिए निकले हुए लोगों को भुगतना पड़ेगा। मेरे शब्द सुन के रखो, यह देश उनको माफ नहीं करेगा चूँकि घुसपैठियों के विरुद्ध भारत अमेरिका से लेकर यूरोप तक एलान-ए- जंग अवैध प्रवासनः अमेरिका से यूरोप और भारत तक एक अंतरराष्ट्रीय संकट इसीलिएआज हम मीडिया मैं उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,घुसपैठिया @ ग्लोबल एजेंडा।

साथियों बात अगर हम अवैध प्रवासन को निर्वासन करने की शुरूआत डोनाल्ड ट्रंप द्वारा करने की करें तो, अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप और मौजूदा रिपब्लिकन नेताओं ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया ह्लमेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) न केवल एक राजनीतिक नारा है,बल्कि एक ऐसी विचारधारा बन गई है जिसमें यह मान्यता है कि अमेरिकी पहचान, संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर अवैध प्रवासी बोझ डाल रहे हैं।लाखोंमैक्सिकन और लैटिन अमेरिकी प्रवासी अमेरिका में बिना दस्तावेज रह रहे हैं।ट्रंप की दीवार बनाने की नीति और निर्वासन (डिपोर्टेशन) की रणनीति आज यूरोप के कई देशों के लिए भी प्रेरणा बन चुकी है।

ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और स्पेन जैसे देश अब अमेरिकी मॉडल की तरह कड़े बॉर्डर कंट्रोल औरपहचान-आधारितह्ल नीतियां लागू करने पर विचार कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारतीय प्रवासी और ह्लएशियाई क्लबिंगह्ल की समस्या की करें तो,यूरोप और ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय प्रवासी अक्सर शिकायत करते हैं कि उन्हें ह्लएशियाई क्लबिंगह्ल में डाल दिया जाता है।यानेंभारतीयों को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए प्रवासियों के साथ एक ही श्रेणी में रख दिया जाता है।भारतीयों का कहना है कि वे वहां शिक्षा, मेहनत और प्रोफेशनल स्किल्स के दम पर बसे हैं, जबकि अधिकतर अवैध प्रवासी दूसरे देशों से हैं।

इस क्लबिंग के कारण भारतीयों की अच्छी छवि धूमिल होती है और उन्हें भी स्थानीय विरोध का शिकार होना पड़ता है।जबकि संभावतः हकीकत यह है कि,पूरे यूरोप में सबसे अधिक अवैध प्रवासी अफ्रीकी संघ (अफ्रीकन यूनियन) और मुस्लिम देशों से आ रहे हैं।

भारतीय राजदूत ने नेपाली प्रधानमंत्री कार्की को सौंपा औपचारिक बधाई पत्र

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सिंह दरबार में अंतरिम प्रधान मंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात की है। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से औपचारिक बधाई पत्र सौंपा। नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन होने के बाद सुशीला कार्की से इस मुलाकात को भारत के साथ दोस्ताना संबंध विकसित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंगलवार शाम 4 बजे हुई इस शिष्टाचार मुलाकात में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वीडियो कॉन्फ्रेंस में होने वाली बातचीत का एजेंडा तय किया गया है। पीएमओ के अधिकारियों ने कहा कि शुरुआत में आज दोपहर 3:15 बजे वीडियो कॉल की योजना बनाई गई थी, लेकिन शेड्यूलिंग कठिनाइयों के कारण दोनों पक्ष गुरुवार सुबह 11:30 बजे के लिए सहमत हो गए।

सुशीला कार्की ने भारत के पद्मश्री से सम्मानित चिकित्सक को दिया मंत्री बनने का ऑफर

काठमांडू। अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने नेपाल के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संदूक रुइत को सरकार में शामिल होने ऑफर दिया, लेकिन उन्होंने सरकार का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया है। डॉ. रुइत को भारत सरकार ने पद्म श्री से सम्मानित किया है। डॉ. संदुक रुइत नेपाल के एक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, जो अपनी सस्ती और प्रभावी मोतियाबिंद सर्जरी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एशिया और अफ्रीका में लाखों लोगों की दृष्टि लौटाई है। भारत में चिकित्सा की पढ़ाई के बाद उन्होंने किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज और दिल्ली के एम्स में प्रशिक्षण लिया। डॉ. रुइत ने 'हिमालयन मोतियाबिंद परियोजना' की सह-स्थापना की है। उन्हें भारत के पद्म श्री पुरस्कार सहित कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। काठमांडू के तिलगंगा नेत्र अस्पताल की यात्रा के दौरान अंतरिम प्रधान मंत्री कार्की ने डॉ. रुइत को अंतरिम सरकार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में डॉ. रुइत ने कहा कि मैं सरकार का समर्थन करूंगा, लेकिन मैं इसका हिस्सा नहीं बन सकता। डॉ. रुइत ने कहा कि वह सरकार में शामिल होने के लिए अपनी अस्पताल की जिम्मेदारियों और रोगियों को नहीं छोड़ सकते।

नेपाल में प्रदर्शन के दौरान मारे गए 10 छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया

काठमांडू। नेपाल में 8 और 9 सितंबर के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दस छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया है। इनमें से नौ शवों को महाराजगंज के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में और एक को पाटन अस्पताल में रखा गया था। नेपाल की अंतरिम सरकार ने एक दिन पहले सोमवार को जेन-जी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को आधिकारिक तौर पर शहीदों का दर्जा देने का फैसला लिया था। सरकार ने इनके सम्मान में एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है और सार्वजनिक अवकाश दिया है। मृत छात्रों के बलिदान का सम्मान करने के लिए आज अंतिम संस्कार जुलूस निकाला गया, जिसकी शुरुआत शिक्षण अस्पताल से हुई और दाह संस्कार से पहले रिंग रोड पर इस शव यात्रा को घुमाया गया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय की प्रवक्ता काली प्रसाद रोज्यारा के अनुसार काठमांडू के बाहर रहने वाले मृतकों के शवों को उनके गंतव्य तक भेज दिया गया है। आज काठमांडू के 10 मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

उज्बेकिस्तान ने उस्त्युर्ट पठार पर विशाल गैस भंडार की खोज की

ताशकंत। उज्बेकिस्तान ने उस्त्युर्ट पठार पर विशाल गैस भंडार की खोज की है। स्थानीय मीडिया ने राष्ट्रपति की प्रेस सेवा के हवाले से यह जानकारी दी। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने एक बैठक के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि यह खोज 6,500 मीटर की गहराई में उतरकर की गई है, जो देश में पहली बार इतनी गहराई पर अन्वेषण का संकेत है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले तेल और गैस का उत्पादन 2,500 से 3,000 मीटर भूमिगत तक ही सीमित था। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी समिति ने यह भी बताया कि इस वर्ष के पहले सात महीनों में 25.3 अरब क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन किया गया, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 3.4 प्रतिशत कम है। उस्त्युर्ट पठार अरल और कैस्पियन सागर के बीच स्थित एक मध्य एशियाई पठार है।

कैलिफोर्निया विधानमंडल की दिवाली पर सरकारी छुट्टी को हां, विधेयक पारित

एजेंसी

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया) अमेरिका। कैलिफोर्निया विधानमंडल ने पिछले हफ्ते दिवाली पर सरकारी छुट्टी घोषित करने वाले विधेयक-268 को पारित कर दिया। गर्वनर के इस पर हस्ताक्षर होते ही दिवाली को राज्य की आधिकारिक अवकाश सूची में शामिल कर लिया जाएगा। इस तरह पेंसिल्वेनिया और कनेक्टिकट के बाद कैलिफोर्निया दिवाली पर आधिकारिक अवकाश घोषित करने वाला तीसरा राज्य बन सकता है। लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, यह विधेयक सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों को दिवाली पर बंद रखने का अधिकार देगा। राज्य के कर्मचारियों को दिवाली के दिन छुट्टी लेने का विकल्प दिया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत कुछ सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों के कर्मचारियों को वेतन सहित

छुट्टी दी जाएगी। कैलिफोर्निया में अभी 11 राजकीय अवकाश हैं। इनमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिवस, सीज़र शावेज दिवस, श्रम दिवस और पूर्व सैनिक दिवस शामिल हैं। इस विधेयक को कानूनी रूप देने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसम को 12 अक्टूबर से पहले हस्ताक्षर करने होंगे। विधेयक पेश करने वाले विधानसभा सदस्य ऐश कालरा (डेमोक्रेट-सैन जोस) ने कहा, दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से न केवल इस त्यौहार के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को मान्यता मिलेगी, बल्कि इससे प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के लोगों को दुनिया के सबसे पुराने धार्मिक त्योहारों में से एक में भाग लेने का बेहतर अवसर मिलेगा। स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट के अनुसार, दिवाली पांच दिन तक मनाई जाती है। यह त्यौहार पारंपरिक रूप से अक्टूबर या नवंबर में भारत में मनाया जाता। विदेश में रहने वाले भारतीय भी दिवाली को जोर-शोर से मनाते हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के अनुसार, लोग घरों, व्यवसाय स्थलों, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दीयों को प्रज्वलित कर मां लक्ष्मी को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करते हैं। दीपोत्सव में परिवार, दोस्तों और समुदाय के अन्य लोगों से मिलना और उपहारों या मिठाइयों का आदान-प्रदान भी होता है।

नाइजीरियाई सेना ने बोर्नो और आदामावा में 11 आईएसडब्ल्यूएपी आतंकियों को ढेर किया

एजेंसी

माइडुगुरी (नाइजीरिया)। नाइजीरियाई सेना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों बोर्नो और आदामावा में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविन्स के कम से कम 11 आतंकियों को मार गिराया। सेना ने यह जानकारी दी। संयुक्त कार्यबल के बयान के अनुसार, पहली मुठभेड़ 15 सितंबर को बोर्नो राज्य के बगा-क्रॉस कौवा रोड पर गारिन गीवा इलाके में हुई।

गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों ने पहले आईईडी विस्फोट किया और फिर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सैनिकों ने आठ आतंकियों को ढेर किया, जिनमें दो वरिष्ठ कमांडर भी शामिल थे। मौके से 14 मोटरसाइकिल, असॉल्ट राइफलें, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद हुई।

दूसरी कार्रवाई आदामावा राज्य के मडागली जिले के उम्बो गांव में स्थानीय सतर्क बलों और शिकारी दस्तों की मदद से की गई। इसमें तीन आतंकी मारे गए और उनके पास से हथियार व संचार उपकरण बरामद हुए। सेना ने बताया कि इन अभियानों में किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि ये कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने और हिंसा प्रभावित समुदायों में शांति बहाल करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। गौरतलब है कि नाइजीरिया पिछले एक दशक से बोको हराम और उसके अलग हुए गुट ISWAP से जूझ रहा है। इस संघर्ष में अब तक दसियों हज़ार लोग मारे जा चुके हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर दी जन्मदिन की बधाई

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर फोन कर बधाई दी। साथ ही रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने में सहयोग के लिए आभार जताया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी शानदार काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप ने लिखा, अभी-अभी मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक शानदार फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं! वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेन्द्र रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डीजेटी। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कॉल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह भी अमेरिकी नेता की तरह भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी

तरह प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप को मेरा मित्र संबोधित किया। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनकी पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति ट्रंप मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

रूस और बेलारूस की सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास

एजेंसी

मिन्सक। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने घोषणा की है कि रूस और बेलारूस की सेनाएं संयुक्त युद्धाभ्यास के तौर पर रूसी सामरिक परमाणु हथियारों के लॉन्च का अभ्यास कर रही हैं। बेलारूस की सरकारी समाचार एजेंसी बेल्टा के अनुसार, देश के चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया है कि इन अभ्यासों में रूस का ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है, जिसका पिछले साल यूक्रेन के साथ युद्ध में परीक्षण किया गया था। गौरतलब है कि रूस और बेलारूस पांच दिनों के युद्ध अभ्यास जापाद (पश्चिम) में शामिल हैं। यह युद्धाभ्यास युद्ध में उनकी तत्परता का परीक्षण करने के लिए है। हालांकि यह आसपास के कुछ देशों को चिंतित कर रहा है। इस बीच पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि ये यूरोप को डराने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ऐसे समय में हुए हैं जब पोलैंड और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन नाटो बलों ने पोलैंड की आकाशीय सीमा में घुसपैठ करने वाले रूसी ड्रोन को मार गिराया है। पोलैंड ने एहतियात के तौर पर बेलारूस के साथ अपनी सीमा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इस बीच लुकाशेंको के मुताबिक यह केवल स्वाभाविक था कि रूसी सामरिक परमाणु हथियार जापाद अभ्यास का हिस्सा बने। उन्होंने कहा हम वहां हर तरह का अभ्यास कर रहे हैं। वे पश्चिमी देश यह जानते हैं, हम इसे छुपा नहीं रहे हैं। पारंपरिक छोटे हथियारों से लेकर परमाणु हथियार तक अभ्यास में शामिल हैं। फिर हमें यह सब करने में सक्षम होना चाहिए। नहीं तो वे बेलारूस के क्षेत्र में क्यों होंगे? हालांकि उन्होंने यह भी कहा लेकिन हम बिल्कुल भी किसी को धमकी देने की योजना नहीं बना रहे हैं। बेलारूस के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की है कि रूसी

मध्यम दूरी वाले ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल की तैनाती के साथ अभ्यास किया गया था, जिसे रूस ने पिछले साल 21 नवंबर को यूक्रेन पर पहली बार दागा था। गौरतलब है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले साल के अंत में कहा था कि रूस 2025 की दूसरी छमाही में बेलारूस के क्षेत्र में ओरेश्निक तैनात कर सकता है। बेलारूस रूस का करीबी सहयोगी है और यूक्रेन और रूस के साथ नाटो सदस्य देशों पोलैंड, लिथुआनिया और लातविया की सीमा साझा करता है। साथ ही वह रूसी सामरिक परमाणु हथियारों का महत्वपूर्ण ठिकाना भी है, जिसका नियंत्रण और कमांड रूस में मॉस्को से निर्धारित होता है।

महासभा की चर्चा के केंद्र में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार : गुटेरेस

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार अब महासभा में चर्चा के केंद्र में है और सुधार प्रक्रिया में कुछ प्रगति हुई है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) का जिक्र करते हुए कहा, 'पहले एक समिति थी, जो दस्तावेज जारी नहीं कर पाती थी और दस्तावेज एक साल से दूसरे साल तक आगे नहीं बढ़ पाते थे। अब एक समिति गंभीरता से काम कर रही है। मुझे लगता है कि इसमें प्रगति हो रही है।' हालांकि, आईजीएन उस 'निगोशिएटिंग टेक्स्ट' को अपनाने में विफल रहा है, जिसे भारत ने चर्चा का आधार बनाने की मांग की थी, फिर भी इसके सह-अध्यक्षों ने 'एलिमेंट पेपर्स' तैयार किए हैं, जिनमें सुधारों पर विभिन्न देशों की स्थिति, मतभेद और कन्वर्जेंस के बिंदुओं को व्यापक रूप से प्रस्तुत किया गया है और एक रिकॉर्ड बनाया गया है। गुटेरेस ने कहा, 'परिषद की वैधता और दक्षता इसके

वर्तमान ढांचे से प्रभावित होती है।' उन्होंने कहा, 'सुरक्षा परिषद की संरचना आज की दुनिया नहीं, बल्कि 1945 की दुनिया के अनुरूप है। इससे न केवल वैधता की समस्या पैदा होती है, बल्कि दक्षता की भी समस्या पैदा होती है।' गुटेरेस ने परिषद सुधारों में बढ़ती रुचि का कुछ श्रेय लिया और कहा, 'यह अतीत में पूरी तरह से वर्जित था। एक बात मैं आपको बता सकता हूं कि मेरा मानना है कि मैं पहला महासचिव हूं, जो हर समय सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता के बारे में बात करता है।' उन्होंने कहा,'कई देशों ने, उदाहरण के लिए पी5 (पांच स्थायी सदस्यों) ने भी, स्वीकार किया है कि अफ्रीका को एक स्थायी सदस्य होने का अधिकार होना चाहिए। एक अन्य सुधार की आवश्यकता है, स्थायी सदस्यों की वीटो शक्तियों पर अंकुश लगाना।' उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि यह विषय (परिषद सुधार) जो पहले पूरी तरह से वर्जित था, अब महासभा की चर्चाओं के केंद्र में है। फ्रांस और ब्रिटेन की ओर से वीटो के अधिकार को सीमित करने के प्रस्ताव आए थे, खासकर ऐसे हालात में जब मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा हो या इस तरह के मामले सामने आ रहे हों। मैं इस प्रस्ताव को सहानुभूति के साथ देखता हूं।' उन्होंने कई संघर्षों को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की विफलता के लिए भू-राजनीति और स्थायी सदस्यों के दंड से मुक्त होकर काम करने के कारण परिषद की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया।

एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने चार्ली कर्क हत्या मामले की जांच पर उठे सवालों को किया खारिज

एजेंसी

वॉशिंगटन। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने सीनेट न्यायिक समिति के सामने पेश होकर अपने कार्यकाल का बचाव किया और चार्ली कर्क की हत्या की जांच को लेकर उठे सवालों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि एफबीआई ने हिंसक अपराधों पर कार्रवाई तेज की है और अवैध हथियारों की जब्ती बढ़ी है। पटेल विवादों में तब आए जब उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि कर्क का हत्यारा गिरफ्तार हो चुका है, जबकि वास्तविक आरोपित टायलर रॉबिन्सन (22) की गिरफ्तारी अगले दिन हुई। सीनेटर डिक डर्बिन ने इस चूक को एफबीआई की साख को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पटेल का बचाव किया है, लेकिन एजेंसी से निकाले गए कई वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें केवल ट्रंप के प्रति कम वफादार होने के कारण हटाया गया। तीन पूर्व अधिकारियों ने इस संबंध में मुकदमा भी दायर किया है। सुनवाई में जेफरी एप्सटीन मामले को लेकर भी सवाल उठे। पटेल ने कहा कि शुरुआती फ्लोरिडा जांच में अभियोजकों ने जानबूझकर दायरा सीमित रखा था।

बचाव पक्ष का तर्क- हसीना ने बांग्लादेश में बीडीआर विद्रोह को कुशलतापूर्वक संभाला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में जुलाई विद्रोह से संबंधित मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 में जिरह के दौरान बचाव पक्ष के वकील अमीर हुसैन ने तर्क दिया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीडीआर विद्रोह को कुशलतापूर्वक संभाला और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा सुनिश्चित किया। शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी बचाव पक्ष के वकील ने आरोप लगाया कि अमर देश के संपादक महमूदुर रहमान ने पूर्व प्रधानमंत्री और शेख फजले नूर तपोश को 2009 के बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) विद्रोह और नरसंहार में व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण फंसाया था। द डेली स्टार के

अनुसार सरकारी वकील हुसैन ने महमूदुर के इस दावे को खारिज कर दिया कि हसीना ने सेना के प्रति नाराजगी जताई और उसे कमजोर किया। उन्होंने कहा कि हसीना ने सेना को मजबूत किया। इस दौरान महमूदुर के 46वें गवाह के रूप में अपने बयान दर्ज कराए। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून भी इस मामले में आरोपित हैं। वह अब सरकारी गवाह बन गए हैं। गवाह महमूदुर ने बयानों में आरोप लगाया कि पदभार ग्रहण करने के बाद हसीना का पहला कदम सेना को कमजोर करना था। बीडीआर नरसंहार उनके कार्यकाल के दो महीने के भीतर ही रचा गया। इसमें शेख परिवार के सदस्यों विशेष रूप से पूर्व सांसद तपोश की संलिप्तता थी। बचाव पक्ष के वकील ने यह भी कहा कि महमूदुर का हसीना की तुलना हिटलर से करना उचित नहीं। गवाही पूरी होने के बाद महमूदुर ने अदालत कक्ष के बाहर कहा, शेख हसीना भी हिटलर का एक छोटा संस्करण थीं। उनके पास हिटलर जितनी शक्ति नहीं थी, फिर भी मानसिकता में वे उससे आगे थीं। यहां तक कि हिटलर ने भी हत्याओं के बाद शवों को गायब करने का आदेश नहीं दिया था।

इजराइल का गाजा में बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू, हमलों में 41 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा पट्टी। इजराइल ने गाजा में आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। इन हमलों में 41 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। गाजा शहर पर धीरे-धीरे नियंत्रण के साथ आगे बढ़ रही इजराइली सेना ने निवासियों से अन्यत्र चले जाने का आह्वान किया है।

गाजा के अस्पतालों के अधिकारियों ने कहा कि रातभर हुए इजराइली हमलों में गाजा शहर में 37 मध्य गाजा में चार लोग मारे गए हैं। भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू ने अदालत में अपना पक्ष रखने के दौरान कहा कि हमने कल गाजा में अब तक का सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। सुरक्षा बल महत्वपूर्ण चरण पर पहुंच गए हैं। इसके परिणाम सुखद होंगे इजराइली सेना ने निवासियों से गाजा शहर खाली करने का आह्वान करते हुए कहा कि वह इस एन्क्लेव के सबसे बड़े शहरी केंद्र में हमास के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रही है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के अरबी प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर कहा, गाजा शहर को एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में रहना आपको जोखिम में डालता है। आईडीएफ ने निवासियों को वाहन या पैदल अल-रशीद स्ट्रीट से होते हुए गाजा शहर के दक्षिण की ओर जितनी जल्दी हो सके जाने का निर्देश दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने चेतावनी दी थी कि गाजा शहर पर इजराइल के आक्रमण का मतलब वहां रहने वाले लगभग 10 लाख फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापित होने का खतरा होगा। इस बीच नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के एक सम्मेलन के दौरान मध्य यरुशलम में दर्जनों प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और गाजा में बंधकों की रिहाई और युद्ध समाप्त करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे इजराइली लोकतंत्र समर्थक आंदोलन ने कहा कि लड़ाई बढ़ने से और अधिक बंधकों की मौत होगी। गाजा पर कब्जा करने से जीवित बंधकों की हत्या हो जाएगी और मृतक लापता हो जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनियल मेरोन का कहना है कि गाजा में इजराइल के उद्देश्य स्पष्ट हैं। इजराइल गाजा में अपने अभियान के साथ आगे बढ़ रहा है और उसके उद्देश्य स्पष्ट हैं।

स्पेन के प्रधानमंत्री ने इज़रायल को अंतरराष्ट्रीय खेलों से प्रतिबंधित करने का किया आह्वान

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने गाजा में इज़रायल की गतिविधियों के कारण उसे अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से बाहर करने का आह्वान किया है। उन्होंने अपनी सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा, इज़रायल अपने गलत कार्यों पर पर्दा डालने के लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल नहीं कर सकता। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने रविवार को कहा कि 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए इज़रायल के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा रूस के साथ किया गया है। इज़रायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने स्पेन के प्रधानमंत्री को 'शर्मनाक' करार दिया और उन पर मैड्रिड में फ़िलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों को भड़काने का आरोप लगाया, जिसके कारण वुएल्टा-ए-स्पेना साइकिल रेस का अंतिम चरण रद्द कर दिया गया, जिसमें एक इज़रायली टीम प्रतिस्पर्धा कर रही थी। इससे पहले सांचेज़ ने कहा था कि तीन हफ़्ते तक चली इस रेस के दौरान हुये पिछले विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया है कि स्पेन गाजा मुद्दे पर 'गर्व' के साथ एक मिसाल कायम करता है। स्पेन के कई मंत्रियों ने भी अंतिम चरण के विरोध प्रदर्शन की प्रशंसा की, जिसमें आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लगभग एक लाख लोग शामिल हुये थे।

इजराइली सुरक्षा बल गाजा शहर में बरपा रहे कहर, हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी

एजेंसी

गाजा पट्टी। इज़राइली सेना ने गाजा शहर में जमीनी हमला और तेज कर दिया। इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) की दो डिवीजन ने शहर में कहर बरपा दिया है। हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी की जा रही है। इस अभियान में एक-दो दिन में तीसरी डिवीजन के भी साथ आने की उम्मीद है। इस दौरान 3,00,000 (तीन लाख) लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 (सात लाख) नागरिक हैं। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल-गाजा सीमा से ली गई तस्वीरों में गाजा शहर के ऊपर धुएं का गुबार दिखा।इस बीच इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने एक पत्र में यूरोपीय संघ के साथ इजराइल के समझौते में व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करने के यूरोपीय आयोग के प्रस्ताव को अनुपातहीन बताया।

यूरोपीय संघ के आयुक्तों के समूह ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के इस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए एक बैठक आहूत की है। लेयेन ने व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करके इजराइल पर राजनीतिक दबाव डालने का प्रस्ताव किया है। सा'आर ने पत्र में कहा, यह अभूतपूर्व प्रस्ताव, जिसे पहले कभी किसी अन्य देश के खिलाफ लागू नहीं किया गया, इजराइल को नुकसान पहुंचाने का स्पष्ट प्रयास है, जबकि हम अभी भी सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के बाद थोपे गए युद्ध से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल संप्रभु राष्ट्र है और जब तक इजराइल की सुरक्षा दांव पर है, हम धमकियों के आगे नहीं झुकेंगे। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट रूप

से कहा है कि इस तरह की पहल हमास को मजबूत करती है। आईडीएफ ने कहा कि लगभग 3,00,000 लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 नागरिक हैं । उधर, बंधक और लापता परिवार फोरम मुख्यालय ने विज्ञप्ति में कहा कि बंधक परिवार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के यरुशलम स्थित आवास के बाहर डेरा डालेंगे। इस दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इन परिवारों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उनके समर्थन के लिए आभार जताते हुए नेतन्याहू से समझौता कराने और युद्ध समाप्त करवाने का आग्रह किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, हमारे प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंधकों को बचाने और इस युद्ध को समाप्त करने की हमारी पुकार नहीं सुन रहे हैं लेकिन वह आपकी बात सुनेंगे! उन्हें एक ऐसे समझौते के लिए बातचीत की मेज पर लाएं जिससे सभी वापस आ सकें! आईडीएफ प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने एक ब्रीफिंग के दौरान में कहा, हमारा अनुमान है कि गाजा शहर पर नियंत्रण पाने में कुछ महीने लगेंगे और शहर को बुनियादी ढांचे से मुक्त करने में कुछ और महीने या उससे भी अधिक समय लगेगा। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को सुरक्षा बलों ने गाजा शहर में जमीनी हमला तेज कर दिया। डेफ्रिन ने कहा, वायु, थल और खुफिया बल गाजा शहर में संयुक्त रूप से हमास के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ को यकीन है कि मंगलवार सुबह तक 370,000 से अधिक फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, पिछले एक महीने में लगभग 220,000 फिलिस्तीनी उत्तरी गाजा से पलायन कर चुके हैं।

विद्युत वितरण उपक्रमों की व्यवहार्यता से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए मंत्रिसमूह की हुई बैठक

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में विद्युत वितरण उपक्रमों की व्यवहार्यता से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए गठित मंत्रिसमूह के साथ 5वीं बैठक की अध्यक्षता की। विद्युत मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय विद्युत मंत्री ने इस बैठक के दौरान राज्यों से सभी के लिए, हर समय बिजली की प्रतिबद्धता को ऐसे तरीके से दोहराने का आग्रह किया, जो कुशल, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और लागत प्रभावी हो। बैठक में केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और अक्षय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, महाराष्ट्र के अक्षय ऊर्जा मंत्री अतुल सावे, उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा, तमिलनाडु के ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री एस. एस. शिवशंकर और राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर बैठक में शामिल हुए। आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री गोटीपति रवि कुमार और मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। इसके अलावा इस बैठक में भारत सरकार के विद्युत सचिव, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सदस्य राज्यों की राज्य विद्युत कंपनियों और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

जीके एनर्जी का आईपीओ 19 सितंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 145-153 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। जीके एनर्जी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 सितंबर 2025 को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 23 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 145-153 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। जीके एनर्जी लिमिटेड ने एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 19 को खुलकर 23 सितंबर को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक 18 सितंबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने 2 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू के लिए मूल्य का दायरा 145-153 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक न्यूनतम 98 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 98 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। पुणे स्थित कंपनी जीके एनर्जी लिमिटेड आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। कंपनी के शेयरधारकों द्वारा 65 करोड़ रुपये की 42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। इस प्रकार कुल निर्गम का आकार 465 करोड़ रुपये हो जाता है। कंपनी की योजना नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त 322.5 करोड़ रुपये का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए और शेष राशि का सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी।

मदर डेयरी ने दूध, पनीर और घी के दाम घटाये, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू

नई दिल्ली। मदर डेयरी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में 100 फीसदी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देगी। इसीलिए अब अपने उत्पादों की कीमतों में 2 रुपये से लेकर 30 रुपये तक की कटौती करने का ऐलान किया है। ये नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। मदर डेयरी ने रोजमर्रा की जरूरतों वाले उत्पादों जैसे टोन्ड मिल्क, पनीर, बटर, घी, पनीर और प्रीमियम गाय के घी की कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। कीमतों में कटौती के बाद एक लीटर टोंड यूएचटी टेट्रा पैक दूध की कीमत 77 रुपये प्रति लीटर से घटकर 75 रुपये हो जाएगी, जबकि 450 एमएल वाला पैक अब 33 रुपये के बजाय 32 रुपये में मिलेगा। फ्लेवर्ड मिल्कशेक के 180 एमएल पैक की कीमत भी 30 रुपये से घटकर 28 रुपये हो जाएगी। मदर डेयरी ने पनीर के दामों में भी कटौती की है। अब 200 ग्राम वाला पनीर 95 रुपये की जगह 92 रुपये में और 400 ग्राम वाला पनीर का पैकेट 180 रुपये की जगह 174 रुपये में मिलेगा। इसी तरह मलाई पनीर का 200 ग्राम पैक भी 100 रुपये से घटकर 97 रुपये में बिकेगा। इसी तरह घी और मक्खन के दामों में भी राहत दी गई है। अब 500 ग्राम वाला मक्खन 305 रुपये के बजाय 285 रुपये में और 1 लीटर घी का कार्टन पैक 675 रुपये की बजाय 645 रुपये में मिलेगा।

अगस्त में भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि

कोलकाता। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और व्यापार युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत ने इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में मजबूती दिखाई है। अगस्त 2025 में देश से इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात 4.9 प्रतिशत बढ़कर 9.90 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 9.44 अरब डॉलर था। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी इंडिया) के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों (अप्रैल से अगस्त) में कुल निर्यात 5.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 49.24 अरब डॉलर तक पहुंच गया। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि अगस्त में हुई यह बढ़ोतरी उत्साहजनक है, लेकिन अमेरिकी शुल्कों की वजह से तनाव के शुरुआती संकेत भी दिख रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री के बाद देव एक्सीलेरेटर के शेयरों पर लगा अपर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑफिस स्पेस मुहैया कराने वाली कंपनी देव एक्सीलेरेटर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करने के बाद लिवाली के बल पर अपर सर्किट लेवल तक पहुंच कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 61 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग मामूली बढ़त के साथ 61.30 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर बिना किसी बदलाव के 61 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी देर बाद ही कंपनी के शेयर उछल कर 64.36 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.51 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। देव एक्सीलेरेटर का 143.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.30 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 87.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 164.89 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 17.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 2.35 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं।

आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए सेंटर के सिक्योरिटी डिपॉजिट्स और फिट आउट्स के कैपिटल एक्सपेंडिचर में, अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 12.83 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन अगले वित्त वर्ष 2023-24 में ही कंपनी फायदे में आ गई। इस वित्त वर्ष में कंपनी को 43 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जो 2024-25 में उछल कर 1.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 58 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 178.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 33.20 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 101.05 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 130.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए परस्पर प्रयास तेज करने पर सहमति

एजेंसी
नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता सकारात्मक रही। दोनों पक्ष पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के लिए प्रयास बढ़ाने पर सहमत हुए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ता के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों का एक दल 16 सितंबर को भारत आया। उन्होंने वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के साथ

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते सहित भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार के स्थायी महत्व को स्वीकार करते हुए, व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा सकारात्मक और दूरदर्शी रही। पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को शीघ्रता से संपन्न करने के प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच चल रही बैठक खत्म हो गई है। दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लगभग 7 घंटे तक यह बैठक चली है। इस बैठक में अमेरिका का नेतृ?व ब्रेंडन लिंच ने किया और भारत की ओर से वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल शामिल थे।

स्टॉक मार्केट में अर्बन कंपनी की जोरदार एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। होम और ब्यूटी सर्विसेज मुहैया कराने वाला ऑनलाइन मार्केटप्लेस अर्बन कंपनी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 103 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 56 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 161 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 162.25 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 172.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 67.14 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। अर्बन कंपनी का 1,900.24 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार

रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 108.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 147.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 77.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 41.49 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 42.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 472.24 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 13,86,40,774 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई टेक्नोलॉजी और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर एक्वायर करने, ऑफिस का लीज पेमेंट करने, मार्केटिंग करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 312.48 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 92.77 करोड़ रुपये रह गया।

श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत

एजेंसी
नई दिल्ली। ज्वैलरी बनाने वाली कंपनी श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 165 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 187.70 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 188.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 191 रुपये तक पहुंचा, वहीं बिकवाली होने पर ये लुढ़क कर 182.70 रुपये के स्तर तक आ गया। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 184.40 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 11.76 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र का 401 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके

कारण ये ओवरऑल 60.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके साथ ही कंपनी ने आईपीओ खुलने से एक दिन एंकर इनवेस्टर्स से लगभग 120.18 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस आईपीओ के तहत 2.43 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 23.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 31.11 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 61.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

गैलेक्सी मेडिकेयर ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। मेडिकल उपकरण, पीओपी बैंडेज और सर्जिकल आइटम्स बनाने और उनका निर्यात करने वाली कंपनी गैलेक्सी मिडिकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 54 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही कंपनी के शेयर लुढ़क कर 51.30 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। गैलेक्सी मिडिकेयर का 22.31 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन

के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.83 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.48 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.10 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 16.74 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 8.24 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.71 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ मामूली गिरावट के साथ 3.37 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 9 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 40.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 9.15 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 8.12 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज कम होकर 4.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

कोल इंडिया कर्मचारियों को मिली नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी शुरू की। उन्होंने कॉर्पोरेट वेतन पैकेज और अनुग्रह लाभों में बढ़ोतरी से जुड़ी पहल की भी शुरुआत की । इनका मकसद कोयला कामगारों का सम्मान बढ़ाना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके जीवन में सुविधा लाना है।रेड्डी ने इस संबंध में कोल इंडिया कर्मचारियों को पत्र लिखा है। इसके अनुसार कोल इंडिया अब अपनी वी केयर पहल के तहत खदान दुर्घटना में होने वाली दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में 15 लाख की जगह 25 लाख रुपये का मुआवजा देगा। इसका लाभ नियमित और ठेका श्रमिकों दोनों को मिलेगा और पारदर्शिता के लिए मृतकों के परिवारों को सीधे भुगतान किया जाएगा। वहीं नियमित कर्मचारियों को अब एक करोड़ रुपये और संविदा कर्मचारियों को 40 लाख रुपये की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज भी मिलेगी। योजना में 2.15 लाख नियमित कर्मचारी और 44,000 संविदा कर्मचारी पहले ही शामिल

किये जा चुके हैं। कोयला मंत्रालय के अनुसार दस प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से इन पहलों को कार्यान्वित किया गया है। कर्मचारियों को कोई प्रीमियम देने की आवश्यकता नहीं है। लाभ सीधे भागीदार बैंकों के माध्यम से प्रदान किए जायेंगे।

जय अंबे सुपर मार्केट्स की स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। सुपर मार्केट्स के जरिये एफएमसीजी गुड्स, ग्रासरी, होम टेक्सटाइल, होम डेकर, कपड़े, खिलौने औरघर से जुड़ी चीजें बेचने वाली कंपनी जय अंबे सुपर मार्केट्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से शेयर के भाव में तेजी आ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 1.28 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 79 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 82.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 6.35 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। जय अंबे सुपरमार्केट्स का 18.45 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 64.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 16.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 110.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 71.39 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 23,64,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी तीन नए स्टोर्स के लिए फिट-आउट की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 35 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.55 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 2.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 20 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 47.40 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 7.47 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 8.56 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 8.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारतीय युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसर बढ़ाने का आईएलओ के साथ समझौता

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत सरकार ने 'अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक वर्गीकरण' को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। इस एमओयू से देश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार पाने और श्रमिकों को वैश्विक श्रम बाजारों में आसानी से एकीकृत करने में सहयोग मिलेगा।केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया आईएलओ के बीच स्विट्जरलैंड के जिनेवा में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस एमओयू पर भारत के राजदूत अरिंदम बागची और आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हौंगबो ने हस्ताक्षर किये। यह समझौता ज्ञापन युवाओं को वैश्विक रोजगार के

अवसरों का लाभ प्राप्त करने में मदद करेगा। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. मांडविया ने कहा कि यह समझौता अंतरराष्ट्रीय संदर्भ वर्गीकरण डेटा की तुलना को बढ़ावा देगा और कौशल की आपसी पहचान को बढ़ावा देगा। डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि देश श्रम बाजार दक्षता और श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाने के लिए डिजिटल नवाचार का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार सचिव वंदना गुरनानी ने कहा कि यह एमओयू हरित, डिजिटल एवं स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यवहार्यता अध्ययन एवं प्रायोगिक अभ्यास के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता ज्ञापन भविष्य में व्यापक सहयोग के लिए अवसर प्रदान करता है जिससे वैश्विक कार्यबल को लाभ मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का विश्व के देशों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने श्रम गतिशीलता एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में भारत के अच्छे कार्यों पर प्रकाश डाला।

डॉलर की तुलना में 15 पैसे की मजबूती के साथ 88.06 के स्तर पर बंद हुआ रुपया

एजेंसी
नई दिल्ली।अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की उम्मीद और शेयर बाजार की तेजी का असर भारतीय मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 15 पैसे उछल कर 88.06 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 88.08 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए रुपया ओपनिंग लेवल से 8 पैसे की कमजोरी के साथ 88.16 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया 20 पैसे की तेजी के साथ 88.01 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर डॉलर की मांग में तेजी आने के कारण रुपया ऊपरी स्तर से नीचे फिसल गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 15 पैसे की उछाल के साथ 88.06 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

एक दिन की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी
नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेत, अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की उम्मीद और रुपये की मजबूती के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार तेजी का माहौल बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर में ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, टेलीकॉम और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 462.96 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.05 लाख

करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.91 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,309 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,508 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,606 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 195 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,777 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,787 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 990 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 66.37 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,852.11 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के झटके के कारण ये सूचकांक कुछ पल के लिए 5.80 अंक की कमजोरी के साथ 81,779.94 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 657.74 अंक की मजबूती के साथ 82,443.48 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 60 अंक से अधिक फिसल कर 594.95 अंक की मजबूती के साथ 82,380.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्त्रार चक्र

सहस्त्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवई: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रुट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 2590

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2589 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी नेता सभा के पश्चात अपनी प्रेमिका पर बरस पड़े - तुमने मुझे इतना लंबा भाषण क्यों लिखकर दिया था? भाषण के बीच कई बार तो बहुत हूटिंग हुई.

प्रेमिका ने माफी मांगते हुए कहा - भाषण ज्यादा नहीं था. हां.. इतनी गलती मुझसे जरूर हो गई कि मैंने भाषण की चारों कापियां तुम्हें थमा दी थी.

☺ ☺ ☺

पागलखाने का दौरा करने आये मंत्री जी से पागलो का परिचय कराते हुए निरीक्षक ने कहा - ये है उमेश, यह सुरेश और यह है बेचारा मुकेश.

मंत्री जी ने बीच में ही टोक कर पूछा - बेचारा मुकेश, तुमने इसे बेचारा क्यों कहा?

निरीक्षक ने मुंह बिचका कर जवाब दिया- दरअसल साहब यह अकेला ऐसा व्यक्ति है, जो विवाह से पहले ही पागल हो गया.

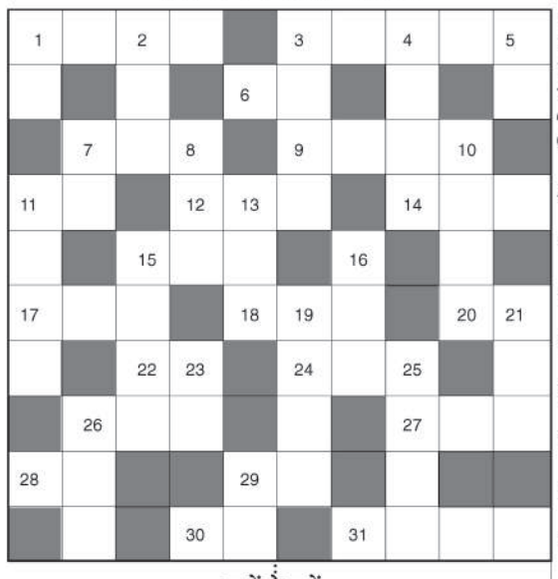

☺ ☺ ☺

वकील - जब इन दोनों पति-पत्नी में लड़ाई हो रही थी, तो क्या तुम वहां मौजूद थे?

गवाह - जी हां.

वकील - तो तुम्हें कुछ कहना है?

गवाह - यही कि मैं कभी शादी नहीं करूंगा

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2589

सूडोकु -2590

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2589 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2590

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2589 का हल

GST पर बोले विक्ट्री स्पोर्ट्स के मालिक प्रमोद सचदेवा: स्पोर्ट्स आइटम पर टैक्स से जनता को मिली राहत

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली : देश में 2017 में लागू हुआ वस्तु एवं सेवा कर (GST) आठ साल बाद एक बड़े सुधार से गुजरा है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया। अब पूरे सिस्टम में केवल दो ही टैक्स स्लैब रहेंगे - 5% और 18%।

सरकार का कहना है कि इस कदम से टैक्स प्रक्रिया आसान होगी और कारोबारियों पर जटिलता का बोझ कम होगा। जिसके चलते लोगों की राय जानने के लिए हम पहुंचे दिल्ली के मीरा बाग में स्थित विक्ट्री स्पोर्ट्स जहां हमारी मुलाकात हुई दुकान के मालिक प्रमोद सचदेवा से जिन्होंने (GST) कम होने को लेकर अपनी राय बताई और ये भी बताया की स्पोर्टस और खिलौनों पर (GST) कम होने से दुकानदारों और उपभोक्ताओं को कितना फायदा होगा। और साथ ही जिन चीजों पर अभी तक (GST) कम नहीं की गई है। सरकार को उन चीजों पर भी (GST) कम करनी चाहिए।

डीएम ने ली हिट एंड रन मोटर दुर्घटना मामलों की बैठक, दिए मुआवजा दिलाने के निर्देश

चित्रकूट: हिट एण्ड रन मोटर दुर्घटना दावा (मुआवजा) के सम्बन्ध में मंगलवार को कलेक्टरेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें डीएम ने अधिकारियों को हिट एंड रन मोटर वाहन दुर्घटना के आवेदनों की जांच कर जल्द से जल्द पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए निर्देशित किया। बैठक में डीएम ने सम्बन्धित तहसील स्तर अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा उपलब्ध कराये गये हिट एण्ड रन मोटर वाहन दुर्घटना (मुआवजा) के लिए प्राप्त आवेदनों का सत्यापन तत्काल कराकर उपलब्ध कराये। बताया कि जिले स्तर पर दो अधिकारी अरुण कुमार शुक्ला (नाजिर) एवं राकेश कुमार पाठक (डिप्टी कलेक्टर) नामित किये गये, जो इस योजना के सम्बन्ध में जाँच एवं सत्यापन करायेंगे। बीमा कम्पनी के नामित अधिकारी सौरभ बनर्जी (सहायक प्रबन्धक) ओरिएण्टल इश्योरेन्स को अधिकारियों की आईडी बनवाने के निर्देश दिए, जिससे हिट एण्ड रन मोटर दुर्घटना पीडितों को मुआवजे की धनराशि जल्द से जल्द आवंटित की जा सकें। बैठक में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी कर्वी, मानिकपुर, राजापुर व मऊ के प्रतिनिधि, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी राम प्रकाश सिंह, पीटीओ दीप्ति त्रिपाठी सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दिल्ली के तिलक विहार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया गया

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर राजधानी में दिल्ली के तिलक विहार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, भाजपा सांसदों और विधायकों ने अलग-अलग जगहों पर इसका उद्घाटन किया। इस आयुष्मान आरोग्य मंदिर के उद्घाटन समारोह में पश्चिमी जिला मजिस्ट्रेट, एसडीएम सहित सभी अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान तिलक विहार में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के संचालक डॉ. नीरज रॉय ने कहा कि आरोग्य मंदिरों में मुफ्त इलाज, मुफ्त दवा और लैब टेस्ट, गर्भवती महिलाओं की जांच, नियमित टीकाकरण, योग समेत 12 तरह की चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी। जन औषधि केंद्रों से 60 से 70 फीसदी सस्ती दवाएं मिलेंगी।

GST स्लैब घटा, महंगाई घटी: दूध और मक्खन सस्ते, कारोबारियों और जनता को राहत"

मनीषा

दिव्य दिल्ली : जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार ने टैक्स को सरल बनाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया।अब पूरे सिस्टम में केवल दो ही टैक्स स्लैब रहेंगे - 5% और 18%। सरकार का कहना है कि इस कदम से टैक्स प्रक्रिया आसान होगी और कारोबारियों पर जटिलता का बोझ कम होगा। आपको बता दे की मदर डेयरी ने भी अपने डेयरी और खाद्य उत्पादों की कीमतों में कटौती करने का फैसला किया है। उदाहरण के लिए, 1 लीटर UHT दूध (टेट्रा पैक) अब 75 रुपये का मिलेगा, जो पहले 77 रुपये का था।

वहीं 500 ग्राम मक्खन की कीमत 305 रुपये से घटकर 285 रुपये हो गई है। अब इस बदलाव से लोगो को कितना फायदा होगा इसे जानने के लिए हम पहुंचे दिल्ली के तिलक नगर राधा स्वामी कूल हट जहा हमारी मुलाकात हुई। अमन तनेजा से जहा उन्होंने बताया की सरकार के इस फैसले से आगे उनके काम में काफी मुनाफा होगा साथ ही इससे आम जनता जो महंगा दूध नहीं खरीद पाते थे वो अब खरीद पाएंगे।

पोषण माह में जिला आकांक्षा समिति ने सैम बच्चों को बांटी किट

चित्रकूट: विकासखण्ड सभागार रामनगर में मंगलवार रेडक्रास सोसायटी के तत्वाधान में संभव अभियान 5.0 एवं राष्ट्रीय पोषण माह सितम्बर 2025 के तहत रामनगर एवं मऊ विकास खण्ड के विभिन्न ग्रामों के 85 सैम बच्चों को आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ तनुषा टीआर द्वारा पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि गाँवो में कैंप लगाकर बच्चों का वजन, लम्बाई की जांच के बाद सैम कैटेगरी में चिन्हित किए गए बच्चों को सैम से मैम एवं उसके उपरान्त सामान्य श्रेणी में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सैम बच्चों को पोषण किट, स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा व आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिसिन उपलब्ध कराई गईं। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने संभव अभियान 5.0 एवं आठवीं राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर में होने वाली गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी।

कार्यक्रम में रेडक्रास सोसाइटी सचिव व आंकाक्षा समिति की अध्यक्ष तनुषा टीआर ने बच्चों, किशोरियों व गर्भवती महिलाओं के पोषण, एनीमिया व बीमारियों से बचाव, खान-पान, स्वच्छता आदि विषयों पर संवाद किया एवं आवश्यक जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। बताया कि कन्या सुमंगला योजना में बालिका के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 25,000 रुपये आधार से जुडे खाते में अन्तरित की जाती है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजना के अन्तर्गत पहली बालिका या बालक के जन्म पर 5,000 रु एवं दूसरी बालिका के जन्म पर 6,000 रु की धनराशि लाभार्थी के खाते में अन्तरित की जाती है।

पोषण पुनर्वास केन्द्र में सैम बच्चे के भर्ती व डिस्चार्ज होने पर 700 रु लाभार्थी के खाते में दिये जाने का प्रावधान है। साथ ही ऑगनबाड़ी कार्यकत्री को सैम बच्चे को भर्ती कराने पर 200 रु प्रोत्साहन राशि व फालोअप के लिए बच्चे को पुनः लाने पर नगद धनराशि दिये जाने का प्रावधान है। सैम बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराकर दुबलेपन से स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज होने के बाद प्रत्येक 15 दिन पर चार बार फालोअप के लिए जागरूक किया गया।

कहा कि गर्भवती महिलाएं अपना पंजीकरण एएनएम, ऑगनबाड़ी केन्द्र में प्रथम तिमाही में ही अनिवार्य रूप से करा लें तथा आयरन, कैल्शियम आदि का सेवन डाक्टर की परामर्श के अनुसार ही करें। बताया कि बच्चे के जन्म के बाद एक घंटे के अन्दर खीस युक्त मां का दूध, छह माह तक केवल माँ का दूध, उसके बाद बच्चों को माँ के दूध के साथ घर का बना हुआ खाद्य पदार्थ देना चाहिए। विशेषकर हरे पत्तेदार सब्जियों, प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ एवं सहजन के विभिन्न प्रकार से उपयोग एवं उनसे होने वाले फायदे के बारे में भी लाभार्थियों से विस्तार से चर्चा की गयी।

प्रेमनगर में शुरू हुआ पारंपरिक एवं ऐतिहासिक मेला और विशाल दंगल-हजारों की भीड़ उमड़ी, पहलवानों ने दिखाए दांवपेंच

फतेहपुर। थाना सुल्तानपुर घोष क्षेत्र के कस्बा प्रेमनगर में मंगलवार से पारंपरिक मेले की शुरूआत हो गई। सुबह से ही क्षेत्रीय ग्रामीणों और दूर-दराज से आने वाले दर्शकों की भीड़ मेले में उमड़ पड़ी। बच्चों के लिए लगे झूले, खिलौनों और मिठाइयों की दुकानों ने पूरे क्षेत्र का माहौल उत्सवमय बना दिया। मेले की सबसे खास पहचान विशाल दंगल रहा। दोपहर बाद शुरू हुए दंगल का उद्घाटन मोहम्मदपुर गौंती गांव के समाजसेवी एवं भावी प्रधान प्रत्याशी मोहम्मद सफी ने दंगल प्रभारी इश्तियाक बेग उर्फ भट्टू भाई, यूसुफ मंसूरी, दंगल रेफरी मोतीलाल पहलवान, एनाउंसर सुहैल अहमद पूर्व प्रधान शोहदमऊ, अबरार अहमद, इंद्रजीत मौर्य, कामता प्रसाद, राहुल साहू, मुन्ना सिंह गौतम, जुल्फेकार अली सहित कई अन्य संभ्रांत लोगों ने किया। जनपद व गैर जनपद के कई पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर अपने दांव पेंच का जोर दिखाया। पहलवानों की भिड़ंत देख दर्शकों में उत्साह चरम पर रहा और चारों ओर तालियों व जयकारों की गूंज सुनाई दी। कई पहलवानों ने मैदान में उतरकर कुश्ती लड़ी जिसमें सबसे ज्यादा रोमांचक भद्दा पहलवान नरैनापुर और जय सिंह की रही जोकि बिना हार-जीत के बराबरी पर तय हुई। हालांकि इस कुश्ती में जय सिंह को चोट भी आई। इस दौरान मेला अध्यक्ष विजय महाराज सहित अन्य आयोजकों ने बताया कि मेला दो दिनों तक चलेगा। दोनों दिन दंगल का आयोजन होगा। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात की विशेष व्यवस्था की है। पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा है ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न होने पाए। मेला समिति के जिम्मेदार सदस्य एवं दंगल प्रभारी इश्तियाक बेग उर्फ भट्टू भाई ने बताया कि यह मेला न सिर्फ मनोरंजन का साधन है बल्कि हमारी परंपराओं और भाईचारे को जीवित रखने का माध्यम भी है। हर साल यहां से सामाजिक एकजुटता का संदेश जाता है। आगे भट्टू भाई ने बताया कि बुधवार (आज) आयोजित होने वाली कुश्ती रोमांचक होंगी जिसमें विभिन्न प्रांतों के पहलवान भाग लेंगे। वहीं आगे बताया कि आज की बड़ी कुश्ती 5100 रुपए तक की होगी। मेले में शामिल ग्रामीणों ने बताया कि वे हर साल इस मेले का बेसब्री से इंतजार करते हैं। बच्चों के लिए जहां यह आनंद का अवसर होता है, वहीं बुजुर्गों के लिए परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को जीने का मौका होता है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर भाजपाईयों ने किया कार्यशाला का आयोजन

नरैनी/बांदा। आगामी होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के लिए भाजपाइयों द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।इस दौरान मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्लाक सभागार में आयोजित हुई कार्यशाला में कार्यकताओं को संबोधित किया गया।बैठक में मौजूद जिला मंत्री देवेंद्र भदौरिया ने बताया कि हम सभी लोगों को अभी से पंचायत चुनावों के लिए कमर कसना है। प्रत्येक पार्टी का कार्यकर्ता शक्ति केंद्र और अपने बूथ के मतदाता सूची बनाकर पुनरीक्षण अभियान में लगे बूथ लेवल अधिकारी से मिलकर अधिक से अधिक मतदाता बनवाए जाने का कार्य करे।बैठक में मौजूद ब्लाक प्रमुख मनफूल पटेल ने कहा कि पार्टी द्वारा पंचायत चुनाव का विगुल फुक चुका है।हम सभी लोगों को अभी से एक जुट हो जाना चाहिए और पार्टी द्वारा घोषित प्रत्याशी के पक्ष में पूरी ताकत से लगने की बात कही।इस दौरान मंडल अध्यक्ष आदित्य चतुर्वेदी,महामंत्री हरिराम कबीर बेदी,विधायक प्रतिनिधि राकेश दीक्षित,संतोष शिवहरे,सभासद आदित्य त्रिपाठी,दिलीप गर्ग,मंडल महामंत्री कालिंजर कुलदीप त्रिपाठी,अशोक राजपूत,सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने किया कान्हा गौशाला का निरीक्षण

बांदा। जिलाधिकारी जे.रीभा ने मंगलवार को अस्थाई गौशाला हटेटी पुरवा एवं निमार्णाधीन कान्हा गौशाला का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में गोवंसो हेतु हरा चारा की व्यवस्था कराए जाने के निर्देश दिएस, उन्होंने गोवंश की ईयर टेकिंग कराए जाने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के समय गोवंश हेतु टीनसेड ,पानी भूसा एवं अन्य पोषाहार की व्यवस्था उपलब्ध पाई गई तथा पर्याप्त मात्रा में भूसा उपलब्ध पाया गया स उन्होंने निर्देशित किया कि गोवंशों को नियमित रूप से हरा चारा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएस, इसके उपरांत जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन कान्हा गौशाला के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस गौशाला में भूसा गोदाम, पशुओं के लिए टीन सेट तथा चिकित्सा सुविधा हेतु डिस्पेंसरी आदि का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए में पाई गई कमियों को शीघ्र ठीक कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका इंदकं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का नियमित रूप से निरीक्षण करते हुए ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित केयरटेकर एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

औरैया जनपद की गौरवशाली यात्रा : पांचाल राज्य से औद्योगिक पहचान तक

औरैया। उत्तर प्रदेश का औद्योगिक और कृषि की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण जिला औरैया आज अपना स्थापना दिवस मना रहा है। ठीक 28 वर्ष पूर्व, 17 सितम्बर 1997 को तत्कालीन प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत इटावा जिले की औरैया व बिधूना तहसीलों को अलग कर एक नए जिले का गठन किया था। तभी से यह दिन जिले का स्थापना दिवस बड़े गर्व और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

इतिहासकार बीरेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि औरैया का अतीत बेहद गौरवशाली रहा है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र पांचाल राज्य का हिस्सा था और वैदिक-पौराणिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा रहा। 13वीं शताब्दी में यहां सेंगर राजपूतों का शासन स्थापित हुआ। सेंगर वंश के महाराजाधिराज विशोक देव का विवाह कन्नौज के सम्राट जयचंद गहरवार की बहन देवकला से हुआ था। विवाह में दहेज स्वरूप प्राप्त भूमि पर ही उन्होंने देवकली मंदिर का निर्माण कराया, जो आज भी जिले की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है।

मुगल काल में यह क्षेत्र प्रशासनिक दृष्टि से मुगलों के अधीन रहा, जबकि स्थानीय राजपूती जनजातियां लंबे समय तक संघर्षरत रहीं। 1760 में अहमद शाह दुरानी के आक्रमण के बाद यह इलाका रोहिला सरदारों को सौंपा गया। 19वीं शताब्दी में अंग्रेजों ने यहां नियंत्रण स्थापित कर औरैया को इटावा जिले की तहसील बना दिया। अंग्रेजी शासन के दौरान भी औरैया के लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और कई सेनानियों ने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया।

आज औरैया जिला आधुनिक औद्योगिक और कृषि केंद्र के रूप में पहचाना जाता है। यहां गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (GYAIYL) सहित पेट्रोलियम उद्योग, कारखाने और अनेक छोटे-बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। कृषि की दृष्टि से यह भूमि बेहद उपजाऊ है, जहां गेहूँ, धान, आलू,मक्का और दलहन की भरपूर पैदावार होती है।

स्थापना दिवस पर जिलेभर में विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासनिक एवं सामाजिक संगठनों ने औरैया की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने और जिले को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

दो वांछित अभियुक्तों को अवैध तमंचे व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

बांदा। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा विभिन्न अभियोगों में वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना अतर्रा पुलिस द्वारा चोरी करने वाले दो वांछित अभियुक्तों को अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि थाना अतर्रा क्षेत्र के ग्राम नगनेधी के रहने वाले राजेश ने थाना अतर्रा पर सूचना दी कि 14 सितंबर को गांव के ही सलीम पुत्र बन्ना व मनीष पुत्र कल्लू द्वारा उनके बकरे को चोरी कर काट कर खा लेने के सम्बन्ध में सूचना दी थी । जिसके सम्बन्ध में थाना गिरवां पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे ।

इसी क्रम में आज थाना अतर्रा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 02 अभियुक्तों को ग्राम सेमरिया मिर्दहा सांई बाबा मंदिर के पास से अवैध तमंचे, व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया । पूंछताछ में अभियुक्तों द्वारा बकरा चोरी कर उसका मांस खा जाने की बात स्वीकार की गई ।

प्रतापगढ़ में बेकाबू कार ने चार लोगों को कुचला, तीन की मौत एक गंभीर

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद में लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर मानिकपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक बेकाबू तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों को कुचल दिया। जिसमें से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं। इनमें एक युवती की हालत गंभीर है, जिसका इलाज एम्स रायबरेली में चल रहा है।

प्रयागराज-लखनऊ मार्ग पर मानिकपुर थाना क्षेत्र के मीर गढ़वा चौराहे पर सड़क किनारे भुट्टे के ठेले पर कई लोग खड़े थे। इसी दौरान प्रयागराज की तरह से आ रही एक नीली रंग की कार डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर ठेले के पास खड़े चार लोगों को कुचल दिया। ठेले से टकराने के बाद कार के एयरबैग खुल गए, जिससे ड्राइवर की जान बच गई, लेकिन ठेले के पास मौजूद लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर मिलने पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में घायलों को सीएचसी कालाकांकर पहुंचाया गया, जहां से चार लोगों को रायबरेली एम्स रेफर किया गया था, लेकिन इलाज के दौरान तीन की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक युवती का इलाज रायबरेली एम्स में चल रहा है।

सीओ कुंडा अमरनाथ गुप्ता ने बताया कि हादसे में मूलरूप से कौशांबी के बुलाकीपुर गांव के रहने वाले मधु प्रकाश (30), मानिकपुर थाना क्षेत्र निवासी झन्ने सरोज (45), यादव पट्टी अंगद का पुरवा निवासी अरुण यादव (32), शिल्पी (19), लखनऊ चिनहट निवासी शक्ति मिश्रा (21) और बाराबंकी निवासी दिशा साहनी (20) गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्होंने बताया कि सीएचसी कालाकांकर के डॉक्टरों ने मधु प्रकाश को पहले ही मृत घोषित कर दिया था, जबकि रायबरेली एम्स में भर्ती झन्ने सरोज, अरुण यादव की भी मौत हो गई है। शिल्पी की हालत नाजुक बनी हुई है। कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है, वह भी चोटिल हुआ है।

प्रयागराज में ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कीडगंज थाना क्षेत्र में फ्लाइ ओवर के समीप मंगलवार की रात मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। हादसे उसके साथी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

अपर पुलिस उपायुक्त नगर अभिजीत कुमार ने बताया कि शहर के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के अटालाा निवासी जिशान अपने दोस्त सलमान एवं सौद के साथ मोटरसाइकिल से मंगलवार की रात कहीं से घर जा थे। कीडगंज थाना क्षेत्र में स्थित बांगड़ धर्मशाला के पास बेकाबू ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीनों घायल हो गए।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन युवकों की मौत

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के दीदारगंज थाना क्षेत्र में बीती रात दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया। यह दुर्घटना सूरहन मोड़ के पास तब हुई, जब दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। तेज रफ्तार के चलते यह हादसा हुआ। आसपास के लोगों ने हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा।

मंगलवार की देर रात सूरहन मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बाइकों की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी। दुर्घटना के बाद बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुँचे और घायलों को अस्पताल पहुँचाया।

गौवध आरोपितों से पुलिस की मुठभेड़

मुरादाबाद। प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के दो थाना क्षेत्र में बीती देर रात्रि गोवंशीय पशुओं के हत्यारोपितों के साथ पुलिस की अलग-अलग स्थानों पर मुठभेड़ हुई। जिसमें पांच आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। इसमें से चार आरोपितों के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बताया कि गौवंशीय पशुओं की हत्या में वांछित आरोपितों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार सक्रिय हैं और उनके विरुद्ध अभियान चला रही हैं।

मंगलवार देर रात्रि एक बजे के लगभग थाना पकबाड़ा क्षेत्र और थाना भोजपुर क्षेत्र में पुलिस थानों की टीम गश्त पर थी।

चपरगढ गांव के जंगल मे मिला गोवंश का अवशेष, ग्रामीण मे रोष

गौतम बुद्ध नगर। अच्छेजा बुजुर्ग और चपरगढ़ गांव के पास स्थित जंगल में बुधवार को दो- गोवंशों के अवशेष मिलने से क्षेत्र में अफवाहों का बाजार गरम हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। इसके बाद थाना दनकौर पुलिस भारी बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने गोसेवकों की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गो-सेवक त्रिलोक नागर ने बताया कि बुधवार को उन्हें सूचना मिली कि जंगल में दो गोवंशों के अवशेष पड़े हैं। सूचना फैलते ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुटने लगे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने मौके पर भारी फोर्स तैनात की। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने कहा कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया जाएगा।

खागा कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

फतेहपुर। खागा कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी अभिनीत कुमार वा क्षेत्राधिकारी ब्रजमोहन राय की अध्यक्षता में नवदुर्गा मूर्ति स्थापना एवं भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपजिलाधिकारी अभिनीत कुमार वा क्षेत्राधिकारी ब्रजमोहन राय एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह ने कहा कि नवरात्रि पर्व में किसी भी तरह की कोई नया दुर्गा पंडाल नहीं लगेगा,नई परंपराओं का निर्माण नहीं होगा, बिना परमीशन के दुर्गा पंडाल सजाने पर मुकदमा होगा, डी जे की आवाज को सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार लागू किया जाएगा,अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही होगी। अधिशाषी अधिकारी देवहूति पाण्डेय ने नवरात्रि पर्व में नगरवासियों को बेहतर जलापूर्ति,अच्छी साफ सफाई, पंडालों के पास चूना छिड़काव,वा स्ट्रीट लाइट की उत्तम व्यवस्था का आश्वासन दिया। अवर अभियंता विद्युत डीडी सोलंकी ने नवरात्रि पर्व में नगरवासियों वा क्षेत्रवासियों को बेहतर विद्युत आपूर्ति, लटक रहे विद्युत तारों को सही करवाने,ट्रांसफार्मर की एडवांस उपलब्धता, रखने वा टेढ़े मेढे विद्युत खंभों को सही करवाने का आश्वासन दिया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321